

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत | 80 दिनों का जर्नी | बेंगलूर और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैटियों को बीएसएफ को सौंपा जाएगा : शुभेंद्र

6 नौतपा और भारतीय जीवन दर्शन

7 अकेले रहना कमजोरी नहीं, ताकत है : रिद्धि डोगरा

फ़र्स्ट टेक

जैन मंदिर से चोरी हुई 100 साल पुरानी मूर्ति बरामद, एक गिरफ्तार

चतरा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के चतरा जिले में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से लगभग 100 साल पुरानी अष्टधातु की एक बहुमूल्य मूर्ति चोरी होने के मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने इस सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, चोरी हुई वस्तु अष्टधातु की एक मूर्ति है, जिसमें सभी 24 तीर्थकरों की आकृतियां एक साथ बनी हुई हैं। चतरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनिशेश नैथानी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुलिस ने अपने खुफिया तंत्र की मदद से चोरी के महज दो घंटे के भीतर मूर्ति को बरामद कर लिया। एसपी ने कहा, चोरी के इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

भारत के 'चंद्रयान-3' मिशन को मिला गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार

वॉशिंगटन/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बृहस्पतिवार को अमेरिकी वैज्ञानिकों और अंतरिक्षयानिकी संस्थान (एआईएए) द्वारा 'चंद्रयान-3 मिशन' के लिए 2026 के 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन कन्नारा ने एआईएए सम्मेलन में यह पुरस्कार प्राप्त किया। प्रशस्ति पत्र के अनुसार, इसरो को यह पुरस्कार 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक लॉन्चिंग के लिए दिया गया है, जिससे चंद्रमा की हमारी समझ बेहतर करने में मदद मिली है। 'कन्नारा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एआईएए द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठित 2026 गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार के लिए इसरो और चंद्रयान 3 टीम को बधाई।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 1000 तीर्थयात्रियों का चयन

नई दिल्ली/भाषा। हिमालय और नाथू ला दर्रे के रास्ते होने वाली आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए बृहस्पतिवार को एक हजार तीर्थयात्रियों का चयन किया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इन तीर्थयात्रियों का चयन कंप्यूटरीकृत ड्रा के माध्यम से किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मानसरोवर यात्रा हिमालय और नाथू ला दर्रे के रास्ते होगी। इस महीने के आरंभ में नेपाल में भारत और चीन द्वारा काठमांडू से परामर्श किए बिना हिमालय दर्रे से वार्षिक तीर्थयात्रा की तैयारियां करने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। नेपाल का दावा है कि यह क्षेत्र उसका है।

यात्रा



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा के बाद बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी लौटे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान ऊर्जा, रक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों संबंधी कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री ने 15 मई को जिन पांच देशों के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी उनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली शामिल थे।

अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/लाहौर/भाषा। पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले पर 2019 में हुए आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता अर्जुन गुलजार् उर्फ बुरहान हमजा बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके)



में अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में मारा गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

हमजा पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की कड़ी सुरक्षा में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता था

और उस पर मुजफ्फराबाद में घात लगाकर हमला किया गया। अधिकारियों ने बताया कि हमले में हमजा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे हवाई मार्ग से रावलपिंडी के संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई से पहले ही हमलावर घटनास्थल से फरार होने में कामयाब रहे।



बेंगलूरु हवाई अड्डे पर उतरते

समय एअर इंडिया के विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

नई दिल्ली/भाषा। बेंगलूरु हवाई अड्डे पर बृहस्पतिवार सुबह उतरते समय एअर इंडिया के एक विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान को विस्तृत जांच के लिए परिचालन से बाहर कर दिया गया है। विमान कंपनी का छोटा ए 321 विमान दिल्ली एवं बेंगलूरु के बीच उड़ान एआई 2651 रूप में उपयोग में लाया जाता है। घटना के समय विमान में 181 यात्री सवार थे।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि उतरते समय विमान के पिछले हिस्से में टक्कर जैसा अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि विमान हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा और सभी यात्री एवं चालक बल के सदस्य सामान्य ढंग से उरसे उतरते।

एक सूत्र ने बताया कि हवाई अड्डे के करीब पहुंचने पर विमान में कंपन महसूस हुआ, जिसके बाद पायलट ने विमान को स्थिर करने के लिए हवा में ही चक्कर लगाने का फैसला किया। सूत्र ने बताया कि इसी दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया गया। सूत्रों के अनुसार, यह कंपन पास में एक विशाल विमान के उड़ान भरने के कारण महसूस हुआ।



शांति केवल सरकार का कर्तव्य नहीं, बल्कि व्यक्तिगत प्रतिबद्धता होनी चाहिए : कोविंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को कहा कि शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल सरकारों या अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर नहीं छोड़ी जा सकती, बल्कि यह हर इंसान की एक व्यक्तिगत प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

'बिलियनेयर्स फॉर पीस' सम्मेलन में कोविंद ने कहा कि



तेलंगाना के तुलसी रेड्डी ने माउंट एवरेस्ट फतह किया

हैदराबाद/भाषा। कई लोगों के लिए माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना सबसे बड़ा रोमांच होता है लेकिन भारतीय पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी के लिए यह दृढ़ता, अनुशासन, बदलाव और लगन की एक ऐसी यात्रा बन गई जिसने लोगों को प्रेरित किया। हैदराबाद के पास बोवरपेट गांव के रहने वाले तुलसी ने वर्षों के अनुशासन, प्रशिक्षण और लगातार तैयारी के बाद सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह की। तुलसी की कहानी को जो बात प्रेरित करने वाली बनाती है वह यह है कि इसकी शुरुआत कितने साधारण तरीके से हुई थी। कभी खाने-पीने के शौकीन रहे तुलसी बस फिट होना चाहते थे। धीरे-धीरे जिम में वर्कआउट और स्वस्थ जीवनशैली एडवेंचर्स खेल और पर्वतारोहण के प्रति जुनून में बदल गई। समय के साथ उन्होंने कई स्थानीय दौड़, कठिन 'आयर्नमैन' चुनौती और दुनिया भर में कई ऊंची चोटियों पर चढ़ाई के अभियान पूरे किए।

'समय बताएगा कि मैं कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनूंगा या नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/ चामराजनगर/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि समय बताएगा कि वह राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं।

शिवकुमार का यह बयान इन कयासों के बीच आया है कि कांग्रेस आला कमान जल्द ही नेतृत्व परिवर्तन और राज्य मंत्रिमंडल में बहुप्रतीक्षित फेरबदल पर फैसला ले सकता है। सिद्धरामय्या नीत राज्य की कांग्रेस सरकार ने सत्ता में तीन साल पूरे कर लिए हैं।

संभावना जताई जा रही है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर चल रही रस्साकशी को लेकर सौहार्दपूर्ण चर्चा और समाधान के लिए जल्द ही नई दिल्ली तलब कर सकता है।

शिवकुमार ने चामराजनगर में संवाददाताओं द्वारा उनके मुख्यमंत्री बनने को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, "समय बताएगा"।

शिवकुमार के समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पार्टी द्वारा 2023 के विधानसभा चुनाव

■ संभावना जताई जा रही है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर चल रही रस्साकशी को लेकर सौहार्दपूर्ण चर्चा और समाधान के लिए जल्द ही नई दिल्ली तलब कर सकता है।



जीतने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के साथ हुए कथित सत्ता-साझेदारी समझौते के अनुरूप उन्हें राज्य सरकार की कमान सौंपी जाए।

इस बीच, बेंगलूरु में गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि अगर मामला कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष आता है तो वह मुख्यमंत्री को बदलने को लेकर स्थिति स्पष्ट करेगा।

परमेश्वर से संवाददाताओं से सवाल किया कि कांग्रेस आला

कमान नेतृत्व परिवर्तन पर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रहा। इसके जवाब में उन्होंने कहा, "बेजजह, वे ऐसा क्यों करेंगे? बदलाव का सवाल किसने उठाया है? कल खुद उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी बदलाव की मांग नहीं की है। यह सवाल कहां से आया? ऐसा सवाल किसने पूछा है?" उन्होंने कहा, "पार्टी में आला कमान है और वही तय करेगा कि क्या करना है और कब करना है। मीडिया में बयान देने से कुछ हासिल नहीं होगा। फैसला आला कमान को करना है। मुख्यमंत्री को बदलने या उन्हें पद पर बनाए रखने के प्रस्ताव पर चर्चा करने का क्या फायदा? हम यहां बैठकर इस मामले का फैसला नहीं करने वाले हैं।"

परमेश्वर ने कहा कि जहां तक उन्हें जानकारी है, सिद्धरामय्या को मुख्यमंत्री बनाए जाने के दौरान कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी।

तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन मंत्री ने कहा

बिजली दरों में बढ़ोतरी का कोई इरादा नहीं है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन मंत्री आर. निर्मल कुमार ने बृहस्पतिवार को राज्य में बिजली दरों में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार किया।

उन्होंने कहा कि सरकार या मुख्यमंत्री की फिलहाल बिजली शुल्क बढ़ाने की कोई मंशा नहीं है और इस संबंध में झूठी जानकारी फैलाई जा रही है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पदभार संभालने के पहले दिन तीन फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 500 यूनिट तक द्विमासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना भी शामिल है।

मंत्री ने राज्य बिजली वितरण निगम की समीक्षा के बाद पत्रकारों को बताया कि निगम पर लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। साथ ही कर्मचारियों की भारी कमी भी है। उन्होंने कहा, "आवश्यक 1.4 लाख कर्मचारियों के मुकाबले फिलहाल केवल 70 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं।" उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री के वादे के अनुसार विभाग को भ. ह. र. च. अ. अनियमितताओं और कदाचार से मुक्त रखते हुए पूरी तरह जनसुविधा के लिए समर्पित किया जाएगा।"

तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड' के दो वरिष्ठ अधिकारियों को तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) की मंजूरी में कथित अनियमितताओं के आरोप में निलंबित किया गया है।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पदभार संभालने के पहले दिन तीन फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 500 यूनिट तक द्विमासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना भी शामिल है।

बल्लेबाजों और गेंदबाजों के ऑलराउंड प्रदर्शन से

टाइटंस ने सुपरकिंग्स को 89 रन से रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। सलामी बल्लेबाजों साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी के बाद मोहम्मद सिराज और राशिद खान की धारदार गेंदबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 89 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष दो में अपनी जगह बरकरार रखी।

इस जीत से टाइटंस के 14 मैच में 18 अंक हो गए हैं और टीम दूसरे स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के भी 13 मैच में 18 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह शीर्ष पर है। इस हार के साथ सुपरकिंग्स की नॉकआउट में जगह बनाने की रही सही उम्मीद भी खत्म हो गई। टीम 14 मैच में 12 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। टाइटंस के 230 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरकिंग्स की टीम सिराज (26 रन पर तीन विकेट), राशिद (18 रन पर तीन



विकेट) और कागिसो रबाडा (32 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 13.4 ओवर में 140 रन पर डेर हो गई। सुपरकिंग्स की ओर से शिवम दुबे (47 रन, 17 गेंद, चार छके, चार चौके) शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा सिर्फ सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट (24) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

टाइटंस ने सुदर्शन (84 रन, 53 गेंद, सात चौके, चार छके) और गिल (64 रन, 37 गेंद, सात

विकेट) चटकाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स ने तीसरे ओवर में 29 रन तक ही अपने दोनों सबसे सफल बल्लेबाजों संजू सैमसन (00) और कप्तान रघुराज गायवाड़ (16) के अलावा उर्विल पटेल (00) का विकेट भी गंवा दिया।

सिराज ने मैच की पहली ही गेंद पर सैमसन को विकेटकीपर बटलर के हाथों कैच कराया और फिर अपने अगले ओवर में गायकवाड़ को बोल्ट किया। उर्विल भी सिराज की गेंद को हवा में खेलकर डीप स्कायर लेग पर प्रसिद्ध कृष्णा को कैच दे बैठे।

सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भी 14 गेंद में 24 रन बनाने के बाद कागिसो रबाडा की गेंद पर मिड ऑन पर कृष्णा के हाथों लपके गए। सुपरकिंग्स ने पावर प्ले में चार विकेट पर 58 रन बनाए।

कार्तिक शर्मा (19) भी गिल के सटीक निशाने पर रन आउट हो गए जिससे सुपरकिंग्स का स्कोर पांच विकेट पर 63 रन हो गया। गिल इसके बाद जेसन होल्डर की गेंद पर शिवम दुबे का मुश्किल कैच लपकने में नाकाम रहे।

22-05-2026 23-05-2026
सूर्योदय 6:39 बजे सूर्यास्त 5:53 बजे

BSE 75,183.36 (-135.03)
NSE 23,654.70 (-4.30)

सोना 16,417 रु. (24 कैरट) प्रति ग्राम
चांदी 278,564 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com



केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फैक मिडिया

सबसे घातक सोशल मिडिया, जो बढ़ा रहा अपराध रोज। कुछ भी कर दे अपराध कोई, कर नहीं पा रहे उसे खोज। हो रहे भ्रमित पढ़ फेक न्यूज, कर रहे धूर्त सब गिद्ध भोज। वैमनस्य घृणा आतंक ड्रेज, फैलाने वाले करे मौज।।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपार अवसर प्रदान करती है, लेकिन इसे सुदृढ़ विनियमन, नैतिक निगरानी और समानता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। नड्डा ने जिनिया में 79वें विश्व स्वास्थ्य सभा में 'स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता : कानून, नैतिक निगरानी, अनुसंधान और समानता' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

मंत्री नड्डा ने कहा कि भारत ने एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में डिजिटल इंडिया पहल की शुरुआत कर एक मजबूत डिजिटल नींव रखी थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य



भारत को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलना है, जो देश को एआई सहित भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करेगी। नड्डा ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने एक एकीकृत, अंतर-संचालनीय, समावेशी और बड़े पैमाने पर काम करने वाले डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र की परिकल्पना की थी। उन्होंने बताया कि इसी नीति के परिणामस्वरूप 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और सहमति-आधारित डिजिटल स्वास्थ्य डेटा ढांचे की शुरुआत की गई।

मंत्री नड्डा ने जोर देकर कहा कि बेहतर स्वास्थ्य परिणाम हासिल करने के लिए केवल डिजिटलीकरण और डेटा ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि एआई के सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग के लिए क्षेत्र-विशिष्ट शासन ढांचे का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फरवरी 2026 में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान 'भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के लिए रणनीति' (एसएएचआई) की शुरुआत पर भी बात की।



दिल्ली में तीन दिवसीय परिवहन हड़ताल शुरू, कई इलाकों में यात्रियों ने परेशान होने की शिकायत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार की ओर से वाणिज्यिक वाहनों पर पर्यावरण मुआवजा उपकर लगाए जाने और सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में ट्रांसपोर्ट और टैक्सी संगठनों ने बुधवार को दिल्ली-पनसीआर में तीन दिवसीय हड़ताल की शुरुआत की जिसकी वजह से कई इलाकों में यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ट्रांसपोर्ट और टैक्सी संगठनों के मुताबिक उनकी हड़ताल 23 मई तक जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ सबसे व्यस्त स्थानों, जिनमें

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, मंडी हाउस मेट्रो और अन्य स्थान शामिल हैं, पर यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के तहत संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रक खड़े रहे। एक यात्री ने बताया, "हमने घर जाने के लिए टैक्सी बुक करने की कोशिश की, लेकिन प्रतीक्षा समय सामान्य से अधिक था, और स्टेशन पर ऑटो-रिक्शा भी बहुत कम उपलब्ध थे। टैक्सी बुक करने का शुल्क भी अधिक था।" ट्रक चालकों, निजी बसों, टैक्सी और मैक्सि कैब संचालकों की सर्वोच्च संस्था 'ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस' (एआईएमटीसी) ने इस हड़ताल का आह्वान किया है। एआईएमटीसी के

राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सभरवाल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, "हम प्रदूषण कम करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर के माध्यम से लगभग 1,500 करोड़ रुपये एकत्र करने के बावजूद, सरकार ने परिवहन कल्याण, पाकिंग, सड़कों या प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए इस धन का उचित उपयोग नहीं किया है।" उन्होंने कहा कि यूरो-6 वाहनों को प्रदूषण-मुक्त बताकर बेचा गया, इसके बावजूद उन पर प्रदूषण कर लगाया जा रहा है, जो विरोधाभासी है। उन्होंने कहा कि सरकार को सारा बोझ ट्रांसपोर्टर नहीं डालना चाहिए व व्यावहारिक समाधान भी सुझाने चाहिए।

मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश के हर वर्ग के हित में ठोस परिणाम हासिल हुए : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश के हर वर्ग के हित में ठोस परिणाम हासिल हुए हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को गद्दार कहे जाने पर तीखा जवाब दिया। भाजपा मुख्यालय में आयोजित 'प्रेस वार्ता' को संबोधित करते हुए गोयल ने प्रधानमंत्री की हाल में संपन्न यूएई, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और इटली की यात्रा के परिणामों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी इस दौर से देश के

हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ लेकर लौटे हैं। गोयल ने कहा कि चाहे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना हो, रक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाना हो, विदेशी निवेश आकर्षित करना हो या निर्यात बढ़ाना प्रधानमंत्री की इस विदेश यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि अपने पांच दिवसीय विदेश दौर के दौरान प्रधानमंत्री को तीन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, "एक ओर पूरा विश्व प्रधानमंत्री मोदी पर अपार विश्वास जताता है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी, जिनकी सोच नकारात्मक है, अपने शब्दों और भाषा के माध्यम से बार-बार अपना असली स्वभाव और चरित्र उजागर करते हैं। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए ओछी



भाषा का इस्तेमाल करना और अपशब्द कहना वास्तव में निंदनीय है। मंत्री ने कहा, "मुझे बताइए, क्या नक्सलवाद का अंत करना 'गद्दारी' का काम है, या वहाँ तक कांग्रेस के शासन में नक्सलवाद को बढ़ने देना असली 'गद्दारी' थी? क्या तिरंगे का वैश्विक सम्मान

बढ़ाना 'गद्दारी' है? उन्होंने सवाल किया, या उसे 'गद्दारी' माना जाएगा जब कोई विदेश जाकर भारत के तिरंगे का अपमान करता है?" वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, क्या आतंकवाद की कहर तोड़कर उसे करा जायब देना 'गद्दारी' माना जाएगा, या फिर आतंकवादियों को बिरयानी खिलाने और उनसे समझौते करने को 'गद्दारी' कहा जाना चाहिए? गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सुरक्षित रखा है, जो उनके सारे देशभक्त होने को दर्शाता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार जिस तरह घुसपैठियों को संरक्षण देते हैं, वह 'गद्दारी' है। गांधी ने बुधवार को अपने लोकसभा क्षेत्र रायबरेली में एक कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों

को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देशद्रोही कहा था। गोयल ने कहा, गालियां देना कमजोर लोगों का हथियार होता है। स्पष्ट है कि देश अब राहुल गांधी और गांधी परिवार की कमजोरियों तथा कांग्रेस पार्टी की विफलताओं को देख रहा है। उन्होंने कहा कि देश यह भी देख रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और उसका वैश्विक कद भी बढ़ा है। गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री को लगातार इसलिए गालियां देते रहते हैं क्योंकि उनकी पार्टी को जनता ने बार-बार नकार दिया है।

वैष्णव ने ट्रेन में आग लगने की घटना में सजिश् की आशंका को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में कई ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं की प्रारंभिक जांच में असाजिश्क तत्वों की संलिप्तता का संकेत मिलने के बाद बृहस्पतिवार को एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की। रेल मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, "बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि हाल में कई ट्रेनों में आग लगने सहित अन्य घटनाओं की प्रारंभिक जांच के दौरान असाजिश्क तत्वों की संलिप्तता सामने आई है।" इसमें कहा गया है कि वैष्णव ने राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में देश भर के फील्ड अधिकारियों के साथ व्यापक

विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि आरपीएफ आग लगने की घटनाओं की तत्परता से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलों में रेलवे द्वारा की गई त्वरित और तत्पर कार्रवाई से बड़ी दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया कि खुफिया तंत्र को मजबूत करने और प्राप्त सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के अलावा, रेलवे यात्रियों को यात्रा के दौरान और स्टेशन परिसर में प्रतीक्षा करते समय असाजिश्क गतिविधियों को रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए और अधिक प्रोत्साहित करेंगे।

विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि आरपीएफ आग लगने की घटनाओं की तत्परता से जांच कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मामलों में रेलवे द्वारा की गई त्वरित और तत्पर कार्रवाई से बड़ी दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया कि खुफिया तंत्र को मजबूत करने और प्राप्त सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के अलावा, रेलवे यात्रियों को यात्रा के दौरान और स्टेशन परिसर में प्रतीक्षा करते समय असाजिश्क गतिविधियों को रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए और अधिक प्रोत्साहित करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में पारा चढ़ने के साथ बृहस्पतिवार को बिजली की अधिकतम मांग लगातार चौथे दिन रिकॉर्ड स्तर 270.82 गीगावाट तक पहुंच गई। विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को बिजली की अधिकतम मांग 265.44 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर रही थी। इससे पहले विद्युत मंत्रालय ने इस गर्मी में बिजली की अधिकतम मांग 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान जताया था। मंत्रालय ने सोशल मीडिया चैनल 'एक्स' पर लिखा, "आज (बृहस्पतिवार) लगातार चौथे दिन बिजली की अधिकतम मांग अबतक

के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। दोपहर 3.45 बजे बिजली की अधिकतम मांग 270.82 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) रही। इस मांग को संभालना पूर्णतः सुरक्षित है।" सफलतापूर्वक पूरा किया गया।" मंत्रालय ने यह भी कहा कि देशभर में मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए घर और दफ्तर को उबाल रखने के लिए कुलर, एसी के बढ़ते उपयोग से मांग में वृद्धि हुई है। बृहस्पतिवार की अधिकतम मांग को पूरा करने में तापीय ऊर्जा का योगदान सबसे अधिक 62.8 प्रतिशत रहा। इसके अलावा सौर ऊर्जा का योगदान 22.0 प्रतिशत, पवन ऊर्जा का 5.0 प्रतिशत, जल विद्युत का 5.8

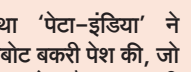


प्रतिशत रहा। शेष हिस्सेदारी अन्य स्रोतों की रही। मंत्रालय ने कहा कि तापीय ऊर्जा संयंत्रों में कोयले की उपलब्धता पर्याप्त है और आपूर्ति पर नजर रखी जा रही है। इससे पहले बिजली की अधिकतम मांग रिकॉर्ड 257.37 गीगावाट तक पहुंच गई थी। वहीं मंगलवार को 260.45 गीगावाट और बुधवार को 265.44 गीगावाट रही थी। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में इस सप्ताह भी लू जारी रहने का अनुमान जताया है। कई जगहों पर पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ

है। आईएमडी ने इस साल अधिक गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि पारा चढ़ने के साथ घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं द्वारा आर-केडीशनर, एयर कुलर और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली की मांग बढ़ रही है। बढ़ते तापमान के कारण बिजली की मांग और खपत में और वृद्धि हो सकती है। पिछली गर्मियों में, जून, 2025 में बिजली की अधिकतम मांग 242.77 गीगावाट दर्ज की गई थी, जो सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम रही। मई, 2024 में, बिजली की अधिकतम मांग 250 गीगावाट तक पहुंच गई थी जो उस समय एक रिकॉर्ड था और सितंबर, 2023 में बने पिछले अबतक के उच्चतम स्तर 243.27 गीगावाट को पार कर गई थी।

पशु वध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए पेटा ने एआई-संचालित रोबोट बकरी पेश की

मुंबई/भाषा। पशु अधिकार संस्था 'पेटा-इंडिया' ने 'आवाज' नामक एआई-आधारित रोबोट बकरी पेश की, जो लोगों को निरामिष भोजन विकल्प चुनने और शाकाहारी खानपान की आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। एक वीडियो में रोबोट बकरी को अंग्रेजी और हिंदी में बातचीत करते हुए दिखाया है, जिसमें वह बच्चों और अन्य राहगीरों से पूछती है-क्या आप मुझे दोस्त मानते हैं या भोजन? पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा), इंडिया ने बयान में कहा कि 'आवाज' देश भर के कॉलेजों और शहरों के व्यस्त क्षेत्रों में जाएगी ताकि जनता को शाकाहार के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उसका लक्ष्य 'आवाज' की मदद से लोगों को शाकाहारी बनाना और बलि की उन अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित करना है जिनमें पशु वध न हो। वीडियो में रोबोट बकरी को कहते सुना जा सकता है, "कुछ लोग सोचते हैं कि हम भोजन हैं, या हमारी जान ली जा सकती है। लेकिन मेरी जिंदगी मेरे लिए खास मायने रखती है, ठीक वैसे ही जैसे आपकी जिंदगी आपके लिए कीमती है।"



फसल ऋण को किसानों के 'सिबिल स्कोर' से न जोड़े बैंक : फडणवीस

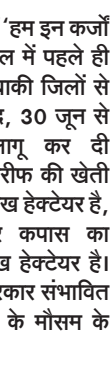
दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को बैंकों से कहा गया है कि वे किसानों के फसल ऋण की मंजूरी को उनके 'सिबिल' स्कोर से न जोड़ें। आगामी खरीफ फसल के मौसम की तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई एक बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने उन

उर्वरक डीलर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी, जो किसानों को अतिरिक्त उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। फडणवीस ने कहा, "हर बैंक को, मुख्यतः से लेकर शाखा स्तर तक, यह बताना दिया गया है कि फसल ऋण को 'सिबिल' की शर्तों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है। 'सिबिल' स्कोर

से जुड़ी समस्याओं के कारण किसी भी किसान को परेशानी नहीं होनी चाहिए। 'सिबिल' स्कोर का उपयोग वित्तीय संस्थानों द्वारा किसी व्यक्ति की ऋण पात्रता को आंकने के लिए किया जाता है। फडणवीस ने कहा कि बैंक के दौरान कृषि ऋण माफी और कृषि ऋण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार लक्ष्य ही घोषित कृषि ऋण माफी योजना को

लागू करेगी, और कहा, "हम इन कर्जों को माफ करेंगे। मंत्रिमंडल में पहले ही चर्चा हो चुकी है, और बाकी जिलों से आंकड़ों के आने के बाद, 30 जून से पहले ऋण माफी लागू कर दी जाएगी।" महाराष्ट्र में खरीफ की खेती का क्षेत्र लगभग 152 लाख हेक्टेयर है, जिसमें सोयाबीन और कपास का हिस्सा लगभग 88 लाख हेक्टेयर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संभावित रूप से कठिन मानसून के मौसम के लिए कमर कस रही है।



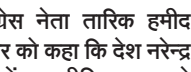
थोक उपभोक्ताओं की पेट्रोल पंप से खरीदारी के कारण बढ़ी ईंधन की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। थोक उपभोक्ताओं के खुदरा पेट्रोल पंपों की ओर रुख करने से देश के कुछ स्थानों पर ईंधन की मांग में भारी वृद्धि हुई है। इसका कारण थोक आपूर्ति केंद्रों और पेट्रोल पंप पर डीलर की कीमतों में 40 से 42 रुपए प्रति लीटर का भारी अंतर होना है। हालांकि, सरकार का कहना है कि आपूर्ति पर्याप्त और स्थिर बनी हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कुछ पेट्रोल पंप पर मांग 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इसका मुख्य कारण कारण कृषि मौसम और थोक उपभोक्ताओं की खुदरा पेट्रोल पंप से खरीदारी है। मुख्य रूप से इसी वजह से कुछ क्षेत्रों में पेट्रोल पंप पर ईंधन की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा, "थोक बिक्री के लिए डीलर और पेट्रोल पंप पर उपलब्ध डीलर की कीमतों में 40 से 42 रुपए प्रति लीटर का अंतर है।" पेट्रोल पंप कारों और दोपहिया वाहनों को ईंधन उपलब्ध कराते हैं, जबकि राज्य सड़क परिवहन बसों और बिजली उत्पादन के लिए डीलर का उपयोग करने वाले दूरसंचार टावर जैसे थोक खरीदारों को ईंधन थोक आपूर्ति केंद्रों से खरीदना होता है। पेट्रोल पंप पर ईंधन लागत से कम दर पर बेचा जा रहा है, जबकि थोक आपूर्ति आमतौर पर बाजार मूल्य पर होती है। शर्मा ने कहा कि निजी खुदरा विक्रेताओं की तुलना में सरकारी पेट्रोल पंप पर कम कीमतों के कारण भी मांग अधिक देखी जा रही है।

भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ रहा है : कांग्रेस नेता कर्क

जम्मू/भाषा। कांग्रेस नेता तारिक हमीद कर्क ने बुधवार को कहा कि देश नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर वैश्विक मंचों पर अति-रहस्यवाद और नाटक करने का आरोप लगाया। कर्क ने कहा कि राजीव गांधी को दुनिया भर में आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक माना जाता था और उन्होंने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। पूर्व प्रधानमंत्री की आज ही के दिन 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में आतंकवादी संगठन लिट्टे के एक आत्मघाती हमले में हत्या कर दी गई थी। राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कर्क ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुद्रा यह है कि मोदी जी, इस सरकार की आंतरिक और आर्थिक नीतियों के कारण देश की समस्याएं बढ़ रही हैं। इनकी विदेश नीतियों के चलते दुनिया में हमें जो समर्थन हासिल था, वह धीरे-धीरे कम हो रहा है। अब (अंतरराष्ट्रीय) गुट बन रहे हैं और हमारे बारे में भी (दूसरों द्वारा) फैसले लिए जा रहे हैं।



प्रधान के इस्तीफा देने और पेपर लीक रोकने की व्यवस्था बनने तक लड़ाई जारी रहेगी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' का पेपर लीक होने के मुद्दे पर राजस्थान में उनकी पार्टी और छात्र इकाई एनएफयूआई के विरोध प्रदर्शन का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने और पेपर लीक को रोकने की सुरक्षित व्यवस्था बनने तक यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर यह कटाक्ष भी किया कि जब वह इटली में टॉफी बांट रहे थे

तो पेपर लीक से त्रस्त युवा सड़कों पर न्याय की मांग कर रहे थे। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "जब मोदी जी इटली में टॉफी खिलाते हुए शील बना रहे थे तो पेपर लीक से त्रस्त भारत के युवा सड़कों पर न्याय मांग रहे थे। क्योंकि नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया। कई बच्चों ने तो अपनी जान तक गंवा दी। मोदी जी ने न जिम्मेदारी ली, न धर्मेंद्र प्रधान को हटाया, न एक शब्द कहा।" अब जब छात्र, एनएफयूआई और कांग्रेस के कार्यकर्ता न्याय की आवाज उठा रहे हैं तो भाजपा की प्रदेश सरकारें उन पर लाठीचार्ज बरसा रही हैं। राहुल गांधी का कहना था, "जो सरकार छात्रों के सवालों का जवाब लाठी से देती है, वो जवाबदेही से नहीं, डर से चलती है। पर हम करने वाले नहीं हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते और देश में पेपर लीक रोकने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित सिस्टम नहीं बनता।"

के नेता को बीआरएस में शामिल करवाएंगे। लेकिन राज्य में इतनी बड़ी घटना होती है, तो नेता प्रतिपक्ष कोई मुंह तक नहीं खोलते।" पाँक्सो मामले में पीठित लड़की और उसके माता-पिता की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के बीआरएस के आरोपों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष 'बेशर्म' राजनीतिक कर रहा है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीआरएस के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता के टी रामायाय के एक रिश्तेदार के फार्महाउस में कथित तौर पर

केंद्रीय मंत्री के बेटे के खिलाफ पाँक्सो मामले में केसीआर कुछ बोले क्यों नहीं : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पाँक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के लिए विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा। रेवंत रेड्डी ने संजय कुमार के इस बयान पर कटाक्ष किया कि उन्होंने अपने बेटे को पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए कहा था। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर यह पुलिस के सामने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण था, तो केंद्रीय

मंत्री को अपने बेटे को हिरासत में लेने के लिए पुलिस को बुलाना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें राज्य पुलिस पर भरोसा है, जिसने घोषणा की थी कि उनसे संजय कुमार के बेटे के भगीरथ को नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार किया था। रेड्डी ने यहां पत्रकारों से कहा, "जब एक नाबालिग लड़की के साथ अन्याय हुआ (पाँक्सो मामले में), तब नेता प्रतिपक्ष (चंद्रशेखर राव) कहां सो रहे थे? अगर उनमें आगे आकर बोलने की हिम्मत नहीं है, तो कम से कम एक प्रेस विज्ञप्ति तो जारी कर दें। वे जातिपाल जाकर किसी दूसरे दल

के नेता को बीआरएस में शामिल करवाएंगे। लेकिन राज्य में इतनी बड़ी घटना होती है, तो नेता प्रतिपक्ष कोई मुंह तक नहीं खोलते।" पाँक्सो मामले में पीठित लड़की और उसके माता-पिता की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के बीआरएस के आरोपों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष 'बेशर्म' राजनीतिक कर रहा है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीआरएस के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता के टी रामायाय के एक रिश्तेदार के फार्महाउस में कथित तौर पर

नशीले पदार्थ पाए जाने पर सरकार ने नोटिस जारी किया था और पाँक्सो मामले में भगीरथ को भी नोटिस भेजा गया था। रेड्डी ने पूछा कि बीआरएस ने अपने पूर्व विधायक के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की, जो यहां एक फार्महाउस पर पुलिस पर फायरिंग में कथित तौर पर शामिल था। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी हर चीज को राजनीतिक नजरिए से देखते हैं, जैसे कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई थी। उन्होंने दावा किया कि अब ईंधन की कीमतें लगभग हर दिन बढ़ाई जा रही हैं।

नशीले पदार्थ पाए जाने पर सरकार ने नोटिस जारी किया था और पाँक्सो मामले में भगीरथ को भी नोटिस भेजा गया था। रेड्डी ने पूछा कि बीआरएस ने अपने पूर्व विधायक के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की, जो यहां एक फार्महाउस पर पुलिस पर फायरिंग में कथित तौर पर शामिल था। ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मोदी हर चीज को राजनीतिक नजरिए से देखते हैं, जैसे कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई थी। उन्होंने दावा किया कि अब ईंधन की कीमतें लगभग हर दिन बढ़ाई जा रही हैं।



नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर बेंगलूर में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रदेश परीक्षा-रनातक (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं को लेकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को यहां प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार से इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की। फ्रीडम पार्क में हुए प्रदर्शन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के अलावा कई मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन के दौरान कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी

सुधाकर ने घोषणा की कि राज्य सरकार इंजीनियरिंग और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए सीट आवंटन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी तथा इस प्रक्रिया को नीट से अलग रखा जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सिद्धरामय्या, सुरजेवाला और अन्य नेता एक टी-शर्ट लिए हुए थे, जिस पर प्रधानमंत्री झुक गए हैं लिखा था। वहीं, कुछ नेता अपने हाथों में आई एम कांफरोच (मैं कांफरोच हूँ) लिखी टी-शर्ट पकड़े नजर आए। प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मंजुनाथ गौड़ा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रधानमंत्री को धरती की मांग संबंधी तख्तियां ले रखी थीं और वे केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए सिद्धरामय्या ने

आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार और जिन राज्यों में इस पार्टी की सरकारें हैं, वे देश चलाना तो दूर, परीक्षाओं को भी ठीक से आयोजित कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने दावा किया, यह बार-बार साबित हो चुका है कि वोट पाने के लिए नफरत फैलाने के अलावा उनके पास किसी और चीज में विशेषज्ञता नहीं है। कर्नाटक में बी एस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली पिछली भाजपा सरकारों के दौरान पेपर लीक की घटनाओं को याद करते हुए सिद्धरामय्या ने कहा कि पुलिस उपनिरीक्षक और इंजीनियर भर्ती परीक्षाओं सहित कई भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताएं और भ्रष्टाचार सामने

आया था। उन्होंने कहा, राज्य के इतिहास में पहली बार कोई अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) रैंक का पुलिस अधिकारी जेल गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं 2016, 2021, 2024 और अब फिर से 2026 में हुई हैं। उन्होंने कहा, साल 2004 से 2014 के बीच मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संग्राम सरकार के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर मेडिकल दाखिले 'ऑल इंडिया प्री-मेडिकल टेस्ट' (एआईपीएमटी) के जरिए होते थे। तब एक बार भी पेपर लीक नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016 में नीट लागू होने से पहले हर राज्य अपनी खुद की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईटी) परीक्षा आयोजित

करता था। मुख्यमंत्री ने कहा, कर्नाटक ने सबसे बेहतरनी सीईटी में से एक का आयोजन किया और मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों का निष्पक्ष चयन किया। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में होने के बावजूद मोदी सरकार ने नीट को जबरन लागू कर देश के संघीय ढांचे को नष्ट कर दिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्होंने उन छात्रों के परिवारों के लिए मुआवजे की भी मांग की, जिन्होंने पेपर लीक विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा, छात्रों को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों के साथ हत्याओं जैसा व्यवहार किया

जाना चाहिए और उन्हें उसी के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। इस बीच, प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सुरजेवाला ने भाजपा नीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने देश में कई परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं आयोजित कराने में यह सरकार पूरी तरह विफल रही है और इसने देश को आरोग्य का ध्वस्त कर दिया है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया, पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को शिक्षा माफिया और प्रश्नपत्र लीक माफिया के हाथों में सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के

कार्यकाल में नीट समेत कई भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की विक्षसनीयता से समझौता किया गया है। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया, अगर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में चोर ही नीट प्रणाली को नियंत्रित करेंगे, तो हमारे युवाओं के भविष्य की रक्षा कौन करेगा? प्रदर्शनकारियों ने लोक भवन की ओर मार्च किया, लेकिन पुलिस ने अवरोधक लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट मई को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बीच, दो दिन बाद ही रद्द कर दिया गया था। केंद्र सरकार ने इस मामले में कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा है।

कर्नाटक साइबर पुलिस ने अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने वाले फर्जी कॉल सेंटर गिरोह का भंडाफोड़ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक राज्य साइबर कमांड ने फर्जी कॉल सेंटरों से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर अमेरिका स्थित एक प्रमुख लेखा फर्म की आड़ में बेंगलूर में संचालित हो रहे थे और अमेरिका में नागरिकों को धोखा दे रहे थे। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में दिल्ली निवासी प्रशांत और उत्तर प्रदेश निवासी आकाश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर, अधिकारियों ने बेंगलूर में चार स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जहां कथित तौर पर फर्जी कॉल सेंटर चल रहे थे। पुलिस के अनुसार, ये कॉल सेंटर अमेरिका की एक प्रमुख अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर कंपनी, इंडुइट क्लिकबुकस का रूप धारण करके फर्जी कर सलाह, फर्जी लाइसेंस और नवीनीकरण सेवाएं देकर अमेरिकी नागरिकों को धोखा दे रहे थे। आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी लाइसेंस कुंजी और धोखाधड़ी वाले सॉफ्टवेयर संबंधी सेवाएं भी प्रदान कीं।

पुलिस महानिदेशक (साइबर कमांड) प्रणव मोहंती ने एक बयान में कहा, इन फर्जी सेवाओं के लिए उन्होंने धोखाधड़ी से भारी रकम फीस के रूप में वसूल की। डूबूकॉल सेंटर के कर्मचारियों ने अमेरिकी अधिकारियों से मिलते-जुलते फर्जी नामों का इस्तेमाल किया और अमेरिकी नागरिकों को ठगना। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से धोखाधड़ी के कथित तौर पर इस्तेमाल की गई आपतिजनक सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

जल्द की गई वस्तुओं में 44 साउंड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी), दो मोबाइल फोन, दो लैपटॉप, नौ सीपीयू, पीडिओ से बातचीत के लिए लैपटॉप की गई स्क्रिन्स और कई अन्य सहायक उपकरण शामिल हैं। मोहंती ने कहा, आरोपी ने 'सर्कल स्ट्रायक एलएलसी' नाम की एक कंपनी बनाई और कथित तौर पर फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल करके अमेरिकी नागरिकों से बड़ी मात्रा में धन की हेराफेरी की। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि पैसा कैसे प्राप्त किया गया, किन खातों के माध्यम से इसे स्थानांतरित किया गया और इसे कैसे धन शोधन के जरिए साफ किया गया।



कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अपनी पत्नी उषा और दूसरों के साथ कर्नाटक के चामराजनगर जिले में मध्यरांग मंदिर में पूजा अर्चना की।

समय बताएगा कि मैं मुख्यमंत्री बनूंगा या नहीं? : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/ चामराजनगर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि समय बताएगा कि वह राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। शिवकुमार का यह बयान इन कयासों के बीच आया है कि कांग्रेस आला कमान जल्द ही नेतृत्व परिवर्तन और राज्य स्वयंशासन के लिए जांच चल रही है कि पार्टी द्वारा 2023 के विधानसभा चुनाव जीतने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के साथ हुए

लिफ्ट हैं। संभावना जताई जा रही है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर चल रही रस्साकशी को लेकर सौहार्दपूर्ण चर्चा और समाधान के लिए जल्द ही नयी दिल्ली तलब कर सकता है। शिवकुमार ने चामराजनगर में संवाददाताओं द्वारा उनके मुख्यमंत्री बनने को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, समय बताएगा। शिवकुमार के समर्थक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पार्टी द्वारा 2023 के विधानसभा चुनाव जीतने पर मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के साथ हुए

कथित सत्ता-साझेदारी समझौते के अनुरूप उन्हें राज्य सरकार की कमान सौंपी जाए। इस बीच, बेंगलूर में गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि अगर मामला कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष आता है तो वह मुख्यमंत्री को बदलने को लेकर स्थिति स्पष्ट करेगा। परमेश्वर से संवाददाताओं से सवाल किया कि कांग्रेस आला कमान नेतृत्व परिवर्तन पर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रहा। इसके जवाब में उन्होंने कहा, बेवजह, वे ऐसा क्यों करेंगे? बदलाव का सवाल किसने उठाया है? कल खुद उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी बदलाव की

मांग नहीं की है। यह सवाल कहां से आया? ऐसा सवाल किसने पूछा है? उन्होंने कहा, पार्टी में आला कमान है और वही तय करेगा कि क्या करना है और कब करना है। मीडिया में बयान देने से कुछ हासिल नहीं होगा। फैसला आला कमान को करना है। मुख्यमंत्री को बदलने या उन्हें पद पर बनाए रखने के प्रस्ताव पर चर्चा करने का क्या फायदा? हम यहां बैठकर इस मामले का फैसला नहीं करने वाले हैं। परमेश्वर ने कहा कि जहां तक डूबूकॉल-उन्हें जानकारी है, सिद्धरामय्या को मुख्यमंत्री बनाए जाने के दौरान कोई समय सीमा तय नहीं की गई थी।

सिद्धरामय्या ने पेट्रोल और डीजल पर कर कम नहीं करने के लिए संकेत, केंद्र पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि राज्य सरकार पेट्रोल और डीजल पर कर में कोई कमी नहीं करेगी। उन्होंने ईंधन की कीमतों में वृद्धि के लिए केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को दोषी ठहराया। सिद्धरामय्या ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार द्वारा करों में वृद्धि किए जाने पर राज्य सरकार को करों में कमी करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पेट्रोल और डीजल पर कर और उपकर कम करने के सवाल पर कहा, वे (केंद्र) कीमतें बढ़ाते हैं, और हमें (राज्य सरकार) को कम करनी चाहिए। जब वे कीमतें बढ़ाते हैं तो आप (मीडिया) कुछ नहीं कहते। आप मुझसे पूछते हैं कि क्या राज्य सरकार कर कम

करेगी, लेकिन जब वे कीमतें बढ़ाते हैं तो आप सवाल नहीं उठाते। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब डीजल की कीमत 48 रुपये प्रति लीटर, पेट्रोल की कीमत 70 रुपये प्रति लीटर और गैस की कीमत 4.14 रुपये प्रति सिलेंडर थी। सिद्धरामय्या ने सवाल किया, क्या इनकी कीमत कितनी है? कीमतें किसने बढ़ाई? मुख्यमंत्री से जब पूछा गया कि क्या राज्य सरकार प्रदेश में अधिक करों को देखते हुए जनता को कोई राहत देगी, तो उन्होंने यह कहते हुए बात टाल दी, आप यह सवाल क्यों पूछ रहे हैं? क्या आप कह रहे हैं कि वे बढ़ाते हैं और आप घटाते हैं? उल्लेखनीय है कि मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। एक हफ्ते से भी कम समय में यह दूसरी बढ़ोतरी है।

झरने के पास छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने वाले तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूर।कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलथांगडी तालुक में एक झरने के पास तीन छात्राओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में तीन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना 20 मई की है जब मंगलूर में पढ़ाई कर रही तीन छात्राएं झरने (वाटरफॉल) पर घूमने गई थीं। आरोप है कि वहां मौजूद तीनों युवकों ने छात्राओं के साथ अश्लील व्यवहार किया और उनका यौन उत्पीड़न किया। आरोपियों को पकड़ने का विरोध

किया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप करते हुए युवकों को पकड़ा और तुरंत बेलथांगडी पुलिस थाने को सूचित किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की पहचान अब्दुल ख़ावर अल्लाफ (36), फैजल आदिल (27) और उर्रमन साफिर (18) के रूप में की है। ये तीनों आरोपी पड़ोसी राज्य केरल के कासरगोड के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

टीवीके सरकार पांच साल पूरे करेगी, कांग्रेस पूरा समर्थन देगी: मंत्री विश्वनाथन

चेन्नई/भाषा। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी विश्वनाथन ने बृहस्पतिवार को दावा कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। विश्वनाथन ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में टीवीके नीट सरकार का पूरा समर्थन करेगी। कांग्रेस के पांच विधायकों ने मंत्री पद की शपथ मत के दौरान टीवीके का समर्थन किया है। लोक भवन में पर्यटन मंत्री राजेश कुमार एस के साथ मंत्री पद की शपथ लेने के बाद विश्वनाथन यहां कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वामेय्यन के मुलाकात की। विश्वनाथन ने संवाददाताओं से कहा, 'कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री की हर योजना और पहल को अपना पूरा समर्थन देगी।' राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के संदर्भ में एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, हमारे नेता, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तमिलनाडु को नीट से छूट देने की अपील की है। मैं भी इस मांग का समर्थन करता हूँ। तमिलनाडु को नीट की जरूरत नहीं है।

लोकायुक्त ने बागलकोट में अवैध रेत खनन को लेकर मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने कृष्णा नदी के तल में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन को लेकर खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों तथा बागलकोट जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। यह मामला बेंगलूर स्थित खान एवं भूगर्भ विज्ञान विभाग के निदेशक, बागलकोट जिले में विभाग के उपनिदेशक, बागलकोट के उपायुक्त तथा बादामी, मुधोल, जमखंडी, हुनगुंड और इलकल तहसीलों के तहसीलदारों के खिलाफ दर्ज किया गया है। बागलकोट जिले में कृष्णा नदी के तल में बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन की शिकायतों के बाद, बागलकोट के पुलिस अधीक्षक एवं कर्नाटक लोकायुक्त ने कथित अनियमितताओं की जांच के बाद एक रिपोर्ट सौंपी। बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञापन के अनुसार, हुनगुंड, इलकल, मुधोल खनन रूप से व्याप्त पाया गया। जांच में पर्यावरण कानूनों का उल्लंघन करते हुए मशीनों का उपयोग करके नदी तल में

अंधाधुंध और अवैध खुदाई किये जाने का खुलासा होने के बाद, लोकायुक्त पुलिस को अचानक निरीक्षण करने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का अधिकार दिया गया। विज्ञापन में कहा गया है, कर्नाटक लोकायुक्त, बागलकोट के पुलिस अधीक्षक ने पड़ोसी जिलों के लोकायुक्त अधिकारियों के साथ 24 स्थानों पर औचक निरीक्षण किया। इसमें कहा गया है, छापेमारी में कुल 28 अधिकारी और 90 कर्मचारी शामिल थे। यह पाया गया कि अवैध रेत खनन गतिविधियों में 65 टिपर (एक तरह के डंपर), 18 उत्खनन मशीनें, 14 यांत्रिक नौका, छह ट्रैक्टर और एक जेसीबी मशीन शामिल थीं। लोकायुक्त ने कहा कि अवैध रूप से निकाली गई रेत की भारी मात्रा कई स्थानों पर जमा पाई गई और प्रथम दृष्टया बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के प्रमाण मिले हैं। खान एवं भूगर्भ विज्ञान, राजस्व, वन एवं पर्यावरण विभागों के अधिकारियों, आरटीओ (क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय) अधिकारियों, तालुक पंचायत कार्यकारी अधिकारियों और संबंधित पुलिस कर्मियों को अवैध रेत खनन में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है।



बेंगलूर में गुरुवार को विधान सभा में आतंकवाद विरोधी दिवस पर मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और अन्य लोगों ने शपथ ली।

तमिलनाडु : राज्यपाल ने मंत्रियों के शपथ ग्रहण के दौरान कुछ और बोलने पर कांग्रेस सदस्य को टोका

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर ने बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के विधानसभा में कांग्रेस विधायक वल के नेता हैं। बृहस्पतिवार को सी. जोसेफ विजय नीट मंत्रिमंडल में 23 मंत्रियों को शपथ दिलायी गई। यहां लोक भवन में राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने के दौरान राजेश कुमार ने कुछ और बोलने की कोशिश की थी। कांग्रेस नेता द्वारा अपने पार्टी नेताओं की प्रशंसा की नारे लगाने के बाद आलेंकर ने कुमार से उन्हें लिखित

शपथ का पालन करने को कहा। कुमार तमिलनाडु विधानसभा में कांग्रेस विधायक वल के नेता हैं। बृहस्पतिवार को सी. जोसेफ विजय नीट मंत्रिमंडल में 23 मंत्रियों को शपथ दिलायी गई। यहां लोक भवन में राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने के दौरान राजेश कुमार ने अचानक कांग्रेस नेताओं का नाम, राजीव गांधी और राहुल गांधी की प्रशंसा की, जिस पर राज्यपाल ने कहा, यह आपकी शपथ का हिस्सा

नहीं है। इसके तुरंत बाद एक अधिकारी कुमार के पास आया और उनके सामने रखे लिखित भाषण की ओर इशारा किया। इसके बाद उन्होंने शपथ पूरी की। कुछ ही मिनट बाद, सलेम दक्षिण से टीवीके विधायक ए विजय तमिलन पार्थिवन ने मंत्री पद की शपथ ली और मंच पर उपस्थित पार्टी नेता तथा मुख्यमंत्री विजय की प्रशंसा करते हुए कहा, वाइगा थलाइवर, वलागं तमिल (नेता अमर रहें, तमिल समृद्ध हो)।

नहीं है। इसके तुरंत बाद एक अधिकारी कुमार के पास आया और उनके सामने रखे लिखित भाषण की ओर इशारा किया। इसके बाद उन्होंने शपथ पूरी की। कुछ ही मिनट बाद, सलेम दक्षिण से टीवीके विधायक ए विजय तमिलन पार्थिवन ने मंत्री पद की शपथ ली और मंच पर उपस्थित पार्टी नेता तथा मुख्यमंत्री विजय की प्रशंसा करते हुए कहा, वाइगा थलाइवर, वलागं तमिल (नेता अमर रहें, तमिल समृद्ध हो)।



समर्पित भाव से कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र जनो तक पहुंचाएं : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भरसक प्रयास कर रही है और इसमें कहीं कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र जन तक पहुंचाने के साथ ही पूरी संवेदनशीलता के साथ दायित्वों के निर्वहन और सुशासन के संकल्पों को साकार करने की दिशा में समर्पित भाव से जुटने का आह्वान किया है। बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले के तीन दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, अभियानों तथा नवाचारों की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने प्रवृत्तियों एवं क्षेत्रवार अति प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी ली तथा इनके क्रियान्वयन में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा नगर परिषद आयुक्त दुर्गेश सिंह रावेल की

कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया और इसके बाद स्वायत्त शासन विभाग ने आयुक्त को एपीओ करने के आदेश जारी कर दिए। मुख्यमंत्री ने नहरों एवं तालाबों की उपयुक्त साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि नहरों में जल वितरण तथा वर्षा काल से पूर्व जिले के जलाशयों की सफाई पर गंभीरता बरतें। उन्होंने माहि की एक-एक बूंद के सदुपयोग का आह्वान करते हुए कहा कि माहि का पानी व्यर्थ न जाए। सिंचाई जल के साथ पेयजल के लिए भी माकूल प्रबंध सुनिश्चित रहने चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान पर जोर देते हुए जल आत्मनिर्भरता को सर्वोपरि बताया और कहा कि स्थायी महत्त्व के कार्यों को गति दी जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि जन-उपयोगी संसाधनों और सेवाओं का पूरा-पूरा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे फील्ड विजिट पर अधिक ध्यान देते हुए अपनी यात्रा के दौरान सभी क्षेत्रों की जरूरतों के प्रति सतर्क रहें और जहां कहीं कोई समस्या सामने आए, स्वतः संज्ञान

लेकर इनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी ग्राम्यांचलों में भ्रमण, पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण का कार्य पूरी गंभीरता के साथ करें। उन्होंने अवेध धर्मान्तरण करवाने वालों तथा राजनीतिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले सरकारी कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि वर्तमान सत्र के दौरान विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध रूप से पूरी तैयारी के साथ काम किया जाए ताकि बच्चों का स्कूलों में प्रवेश और रहवाय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जिले में चन्दन वन विकसित किए जाने की पहल को दूसरी प्राथमिकता देते हुए कहा कि इनमें 11-11 हजार चन्दन के पौधे लगाए जाएं। उन्होंने वन विभाग की योजनाओं, वन विकास गतिविधियों, हरियाली राजस्थान आदि पर जोर देते हुए लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण के साथ ही वन संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हर स्तर पर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने नशे पर रोकथाम, शहर की सड़कों की मरम्मत व पेचवर्क तत्काल सुनिश्चित करने के साथ ही शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बनाए रखने और जल समस्या सामने आने

पर तत्काल कार्यवाही करते हुए राहत देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सौर ऊर्जा आधारित तथा अन्य लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं, बजट घोषणाओं की अद्यतन प्रगति, बिजली तंत्र विकास एवं सुधार तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की स्थिति, पेयजल परियोजनाओं, जिले में पेयजल उपलब्धता एवं वितरण, समर कंटीन्यूसी प्लान, जल जीवन मिशन, सड़क सुविधाओं के विस्तार, नदीन सड़कों के निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों से निपटने के ऐहतियाती प्रयासों, हीटवेव प्रकल्प, चिकित्सा सेवाओं के आधुनिकीकरण आदि की प्रगति की जानकारी ली और हर स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांसवाड़ा जिले में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यहां की स्वस्थ आबादी को देखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। किसानों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है, जिनके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने पेट्रोल व डीजल पर वेट घटाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (आरपीडीए) ने पेट्रोल और डीजल पर मूल्यवर्धित कर (वैट) घटाने की मांग की है ताकि किसानों व आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत मिले। संगठन ने इस मांग को लेकर बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा।

जयपुर। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (आरपीडीए) ने पेट्रोल और डीजल पर मूल्यवर्धित कर (वैट) घटाने की मांग की है ताकि किसानों व आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत मिले। संगठन ने इस मांग को लेकर बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा।

सभी वस्तुएं धीरे-धीरे महंगी हो रही हैं क्योंकि दैनिक उपयोग में काम आने वाली वस्तुओं के मूल्य डीजल के मूल्यों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहते हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र भाटी ने कहा कि राजस्थान में फिलहाल पेट्रोल पर 29.04 प्रतिशत और डीजल पर 17.30 प्रतिशत वेट लगाता है और जब भी ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं तो राज्य का राजस्व अपने आप बढ़ जाता है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से राज्य के राजस्व में पेट्रोल पर 95 पैसे प्रति लीटर और डीजल पर 58 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। भाटी ने सरकार से अनुरोध किया कि वह इस बढ़ोतरी से होने वाले अतिरिक्त राजस्व के बोझ को कम करे और महंगाई के दबाव का सामना कर रहे किसानों और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करे।



प्रधानमंत्री पर राहुल गांधी के बयान के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए कथित बयान के विरोध में प्रदर्शन किया और उनका पुतला जलाया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गांधी के खिलाफ नारे लगाए और प्रधानमंत्री को निशाना बनाने वाले उनके कथित बयान की निंदा की। भाजपा राजस्थान अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर जनता में

व्यापक आक्रोश है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने अपना जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित किया है। अपनी मां के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद उन्होंने देश के विकास कार्यों को फिर से आगे बढ़ाया। राठौड़ ने कहा कि देशद्रोही जैसे शब्दों का इस्तेमाल उस नेता के लिए करना, जिसके परिवार में 140 करोड़ भारतीय शामिल हैं, अनुचित है और इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं।

जनात से अपील करेंगे कि ऐसे अपातिजनक बयान देने वालों का सामाजिक बहिष्कार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग राजनीति के योग्य नहीं हैं। उन्होंने कहा, राजनीतिक विरोध हो सकता है, लेकिन इस तरह की अपमानजनक और निम्न स्तरीय भाषा का इस्तेमाल देश बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा नेता ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह कठिन समय में सहयोग करने के बजाय सरकार की आलोचना कर रहा है और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहा है। राठौड़ ने कहा, विपक्ष की वर्तमान भूमिका निंदनीय है जो राजनीति के स्तर को गिरा रहे हैं उन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना चाहिए।



नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, प्रधान के इस्तीफे की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सहायता परीक्षा (नीट-यूजी) के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर यहां बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सतारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यवाहक को लेकर यहां रैली निकालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मन् प्रधान के इस्तीफे तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग

करने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से पैदल मार्च निकाला। वे शहीद स्मारक होते हुए रैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे और हाथों में तख्तियां व बैनर लिए हुए थे। शहीद स्मारक के पास पुलिस ने भारी सुरक्षा बल तैनात किए और बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका। जब कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए और उन्हें लांचकर भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने डोटसरा को अपने कंधों पर उठा लिया। पुलिसकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश के दौरान दोनों

पक्षों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास शहीद स्मारक के पास पुलिस कमिश्नरेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल हुईं। उन्होंने गीत गाकर तथा डफली बजाकर प्रदर्शन किया। कुछ युवा भी मेडिकल छात्रों की वेशभूषा में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के बाद, मामली चोटिल कुछ कार्यकर्ताओं को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। डोटसरा और जूली सहित वरिष्ठ नेताओं ने अस्पताल का दौरा किया और उनसे मुलाकात की। रैली से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डोटसरा ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में बार-बार हो रही अनियमितताओं ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर से जनता का भरोसा खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, एनटीए को भंग किया जाना चाहिए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मन् प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। डोटसरा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उन्होंने दायित्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि मामले की सीबीआई जांच अदालत की निगरानी में होनी चाहिए। कांग्रेस ने दावा किया कि नीट-यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने से करीब 22 लाख छात्रों के भविष्य पर असर पड़ा है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई वरिष्ठ नेता इस रैली में शामिल हुए। वर्ष 2026 के लिए तीन मई को आयोजित नीट (यूजी) प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बीच दो दिन बाद रद्द कर दी गई थी। केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा है।

जयपुर में अगले महीने से शुरू हो सकती है 'भारत टैक्सी' सेवा

जयपुर। सहकारी मॉडल पर आधारित देश की पहली कैब सेवा 'भारत टैक्सी' के अगले महीने जयपुर में शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि प्रस्तावित टैक्सी सेवा लोगों को किराया और सुरक्षित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराएगी। इस सेवा को लेकर बुधवार को यहां भारत टैक्सी संवाद कार्यक्रम हुआ। इसमें राज्य के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने इस सेवा को लेकर सारथियों (चालकों) को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सहकारी मॉडल पर आधारित भारत की पहली टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' आमजन को किराया और सुरक्षित परिवहन का विकल्प उपलब्ध कराएगी। साथ ही यह, 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करते हुए सारथियों (चालकों) की आर्थिक उन्नति का आधार भी बनेगी।



बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में ग्रामीणों से मिले मुख्यमंत्री, समस्याओं का किया समाधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को बांसवाड़ा जिले के चुड़ादा गांव में रातभर ठहरने के बाद सुबह ग्रामीणों से मुलाकात की और मोंके पर ही जन शिकायतों पर आवश्यक निर्देश दिए। दौर के दौरान शर्मा विभिन्न स्थानों पर रुके, स्थानीय निवासियों से बातचीत की।

एक मामले में एक महिला ने अपने पति, जो सागवाड़ा में सहायक अभियंता हैं, का तबादला बांसवाड़ा करने का अनुरोध किया क्योंकि उनके बेटे को सेरेब्रल पाल्सी की समस्या है। मानवीय

दृष्टिकोण अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कुछ ही घंटों में तबादला आदेश जारी कर दिया गया। इस बीच, दुम्भट गांव के निवासियों ने मुख्यमंत्री से 'मा-बाड़ी केंद्र' निर्माण की मांग की। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग ने इस परियोजना के लिए 16.20 लाख रुपये स्वीकृत किए, जिसमें से 14.58 लाख रुपये प्रथम चरण में जारी किए जाएंगे।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने गोडावण प्रतिमा का किया अनावरण

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को जैसलमेर स्थित राष्ट्रीय मरु उद्यान में राज्य पक्षी गोडावण की प्रतिमा का अनावरण कर प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का संदेश दिया। इस अवसर पर वन मंत्री शर्मा ने पीपल का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान के लिए प्रेरित किया, वहीं जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने मरुधरा की जीवनरेखा मानी जाने वाली खेजड़ी का पौधा लगाकर प्रकृति संरक्षण में जनभागीदारी का आह्वान किया। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री ने राष्ट्रीय

मरु उद्यान एवं अभयारण्य क्षेत्र का अवलोकन किया एवं डेजर्ट नेशनल पार्क क्षेत्र में सफारी कर गोडावण सहित अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, संरक्षण गतिविधियों एवं प्रबंधन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संरक्षण कार्यों में लगे अधिकारियों एवं कर्मियों से संवाद कर जमीनी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी ली। इस दौरान वन्यजीव प्रेमी वसन्ता राम ने राज्य पक्षी गोडावण की विशेषताओं, उसके प्राकृतिक परिवेश, जीवन शैली एवं मरुस्थलीय क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य वन्यजीवों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोडावण राजस्थान की समृद्ध जैव विविधता एवं प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

भीषण गर्मी से तपा राजस्थान

जयपुर। पूरा राजस्थान इन दिनों तेज गर्मी की चपेट में है और मौसम विभाग के अनुसार मौसम का यह दौर अभी कुछ दिन जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 43-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। बृहस्पतिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इस दौरान कहीं-कहीं उष्ण लहर (हीट वेव) दर्ज की गई। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस गंगानगर में रहा। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने व पश्चिमी, उत्तरी व पूर्वी भागों में अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री दर्ज होने व कुछ भागों में 'हीट वेव' तथा उष्ण रात्रि दर्ज होने की संभावना है। हालांकि, इसी दौरान राज्य के पश्चिमी, उत्तरी व पूर्वी भागों में 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी सतही हवाएं चल सकती हैं।

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणाओं से माटी कला को नई पहचान मिली है। बोर्ड को पिछले 2 वर्षों में पिछले 10 वर्षों से भी अधिक बजट प्रदान करने के विचार मूल विचारों पर आधारित है। इसमें टैक्सी चलाने वाला सारथी ही कंपनी का वार्षिक मालिक होगा। दक ने कहा कि 'भारत टैक्सी' में किसी भी सारथी का खाता बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा।

प्रदेश के माटी कलाकारों के आर्टिजन कार्ड बनेंगे

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणाओं से माटी कला को नई पहचान मिली है। बोर्ड को पिछले 2 वर्षों में पिछले 10 वर्षों से भी अधिक बजट प्रदान करने के विचार मूल विचारों पर आधारित है। इसमें टैक्सी चलाने वाला सारथी ही कंपनी का वार्षिक मालिक होगा। दक ने कहा कि 'भारत टैक्सी' में किसी भी सारथी का खाता बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा।

स नए रोजगार के द्वार खुलेंगे। राज्य में माटी कला के सभी कलाकारों, कामगारों के आर्टिजन कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए बोर्ड द्वारा शिविर लगाए जाएंगे। टाक ने बजट प्रदान करने के विचार मूल विचारों पर आधारित है। इसमें टैक्सी चलाने वाला सारथी ही कंपनी का वार्षिक मालिक होगा। दक ने कहा कि 'भारत टैक्सी' में किसी भी सारथी का खाता बिना सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा।

मिठी गृथने की मशीनों का वितरण किया जाएगा, इससे उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ेगी। इस वर्ष माटी कला के 100 मशिकर तैयार करने का लक्ष्य है। इसके लिए राज्य से बाहर विभिन्न स्थानों पर विशेष ट्रेनिंग दिलाई जाएगी। पिछले वर्ष 25 लोगों को उत्तर प्रदेश के खुर्जा में प्रशिक्षण दिवाया गया है। प्रेस वार्ता के बाद श्रियादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक, उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने उद्योग भवन परिसर में परिचय देते हुए प्रदेशवासियों से भी परिचय देना का आह्वान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सभी अस्पतालों को 'तंबाकू मुक्त क्षेत्र' घोषित किया

इटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने राज्य भर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को 19 मई से पूर्ण रूप से तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त पवन कुमार सेन द्वारा बृहस्पतिवार को 'सिंगरेंट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम' (कोटपा), 2003 के तहत यह निर्देश जारी किया गया। यह आदेश पूर्वोत्तर राज्य के सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों पर लागू होगा, जिसमें प्राथमिक अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), जातिगत स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), उप-केंद्र और मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। आदेश के अनुसार, अस्पताल परिसरों के भीतर धूम्रपान, गुटखा, पान मसाला और चबाने वाले तंबाकू सहित सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों के सेवन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध अस्पतालों की इमारतों, वाडों, कार्यालयों, गलियारों, पार्किंग क्षेत्रों, बगीचों और कैंटीनों पर लागू होगा। विभाग ने स्वास्थ्य संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने वाले 'कोटपा' के प्रावधान को भी दोहराया है।

चौथी बार विधायक बने रंजीत कुमार दास को असम विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचन चुना गया



गुवाहाटी/भाषा। असम में चौथी बार विधायक निर्वाचित हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य रंजीत कुमार दास को बृहस्पतिवार को राज्य की 16वीं विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचन चुना गया। अस्थायी अध्यक्ष चंद्र मोहन पटवारी ने घोषणा की कि दास के पक्ष में

तीन प्रस्ताव थे और उनके खिलाफ कोई प्रस्ताव नहीं था। उन्होंने कहा, "कोई अन्य नामांकन नहीं हुआ, इसलिए मैं रंजीत कुमार दास को राज्य की 16वीं विधानसभा का अध्यक्ष घोषित करता हूँ।" राज्य विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में दास का यह दूसरा कार्यकाल है। साल 2016 में जब भाजपा ने इस पूर्वोत्तर राज्य में अपनी पहली सरकार बनाई थी, तब वह सदन के अध्यक्ष थे। भवानीपुर-सोरभोग सीट से विधायक दास, 2021 से 2026 तक मुख्यमंत्री के तौर पर हिमंत विश्व शर्मा के पहले कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे। उन्होंने पार्टी की असम इकाई के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। दास 2011 से लगातार चार बार असम विधानसभा के सदस्य चुने गए हैं।

पटना उच्च न्यायालय ने सहस्त्रा मध्याह्न भोजन मामले में जांच प्रक्रिया पर उदात्त सवाल

पटना/भाषा। बिहार के सहस्त्रा जिले के एक सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 189 बच्चों के बीमार पड़ने के मामले में पटना उच्च न्यायालय ने भोजन की थालियों में "छोटे सांप" मिलने की रिपोर्ट पर गंभीर चिंता जताई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस मामले से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद और न्यायमूर्ति मोहित कुमार शाह की खंडपीठ ने नमूनों के संग्रह और जांच प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर भी सवाल उठाए। सहस्त्रा जिले के बलुआहा और चंद्रयान गांवों के स्कूलों में सात मई को पीएम पोषण योजना के तहत परीसे गए भोजन को खाने के बाद बच्चे बीमार पड़ गए थे।

अदालत ने 19 मई के आदेश में फॉरेंसिक निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि बलुआहा गांव के एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में भोजन की थालियों से "छोटे सांप" बरामद किए जाने का उल्लेख किया गया है। अदालत ने सहस्त्रा के पुलिस अधीक्षक, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और पीएम पोषण योजना के अधिकारियों को शपथपत्र दाखिल कर जल्दी, नमूना संग्रह और प्रयोगशाला परीक्षण की प्रक्रिया स्पष्ट करने का निर्देश दिया।

ओडिशा: मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के बदले रिश्वत लेने के आरोप में स्वास्थ्य कर्मी गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सतर्कता विभाग ने मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के बदले कथित तौर पर एक हजार रुपए की रिश्वत लेने के मामले में बृहस्पतिवार को एक स्वास्थ्यकर्मी को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खुर्दा जिले के हलाडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ता बिभूति भूषण साहू को रोरा हाथ पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि स्वास्थ्यकर्मी ने उसके माता-पिता का मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के बदले में एक हजार रुपए बतौर रिश्वत की मांग की थी। एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर ओडिशा के सतर्कता विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने जाल बिछाया और स्वास्थ्यकर्मी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चक्का फेंक खिलाड़ी बनवीर पर सात साल का प्रतिबंध, हरद्वे दूसरी बार चार साल के लिए निलंबित

नई दिल्ली/भाषा। चक्का फेंक खिलाड़ी बनवीर सिंह को राष्ट्रीय डॉपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अपील पैनल (एडीपी) ने डोप परीक्षण में विफल होने के कारण सात साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। यह सजा अनुशासनात्मक समिति द्वारा दी गई सजा से दो साल अधिक है। पिछले साल नाडा के डॉपिंग रोधी अनुशासन समिति (एडीडीपी) ने बनवीर को स्टैरॉयड मेथेडिलोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर 23 दिसंबर 2024 से पांच साल के लिए निलंबित कर दिया था। वह 12 महीनों के भीतर तीन बार अपनी रहने के स्थान संबंधी जानकारी देने में नाकाम रहने के कारण इस साल 22 दिसंबर तक दो साल का निलंबन भी झेल रहे हैं। एडीपी ने ताजा अपडेट में प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी है। नाडा ने एडीपी की सजा बढ़ाने के फैसले के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। सैंटीन साल की उम्र में बनवीर डॉपिंग के लिए निलंबित होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों में से एक हो सकते हैं। वह 2022 में भुवनेश्वर में इंडियन ग्रैंड प्री में दूसरे स्थान पर रहने के अलावा बनवीर अपने करियर में कभी शीर्ष तीन में नहीं रहे। इसके अलावा लंबी दूरी के धावक हरद्वे कुमार को इस साल दो अग्रस्त से चार साल के लिए एक बार फिर निलंबित किया गया है। उन्हें इससे पहले एडीडीपी द्वारा तीन अप्रस्त 2022 से चार साल के लिए प्रतिबंधित किया गया था जब वह प्रतिबंधित पदार्थ डबॉपोएटिन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे।

'प. बंगाल में गंगा के प्रदूषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार नजर आया'



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। गंगा नदी के समुद्र में गिरने से पहले उसके मुख्य प्रवाह मार्ग के अंतिम राज्य पश्चिम बंगाल में पिछली राज्यों से अपशिष्ट और औद्योगिक भार बढ़ने के बाद भी उसके प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नमामि गंगे परियोजना में यह दावा किया गया है। स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी) ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल में नदी का अंतिम भाग हिमालय से घनी

आबादी वाले गंगा बेसिन से होकर बहने वाली हर चीज को अपने साथ लाता है। नमामि गंगा ने कहा, "गंगा का आखिरी हिस्सा सब कुछ अपने साथ लाता है। पश्चिम बंगाल पहुंचते-पहुंचते, यह हिमालय से लेकर ऊपर के सभी राज्यों, सभी शहरों, सभी नालों का संयुक्त भार वहन कर रही होती है।" उसने कहा, "और यही वह हिस्सा है जिसमें सबसे अधिक सुधार हुआ है।" मिशन ने पिछले सात वर्षों में जल गुणवत्ता में आए बदलाव को रेखांकित करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रदूषित नदी क्षेत्रों (पीआरएस) के आकलन का हवाला

दिया। नमामि गंगे के अनुसार, पश्चिम बंगाल में त्रिवेणी से डायमंड हार्बर तक फैले नदी क्षेत्र को 2018 में 'प्राथमिकता तृतीय' प्रदूषित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया था। सीपीसीबी के 2025 के आकलन में, यह क्षेत्र बहरामपुर से डायमंड हार्बर तक स्थानांतरित हो गया है और अब इसे 'प्राथमिकता पंचम' श्रेणी में रखा गया। मिशन ने कहा कि हालांकि नवीनतम आकलन में प्रदूषित क्षेत्र भौगोलिक रूप से लंबा दिखाई देता है, लेकिन वार्षिक प्रदूषण भार में काफी कमी आई है। उसमें कहा गया है, "जब तक आप इसे ध्यान से नहीं पढ़ते, तब तक यह बात विरोधाभासी लगती है: मानचित्र पर एक लंबी रेखा नजर आती है, लेकिन पानी में प्रदूषण काफी कम है।" इस मिशन ने परिवर्तन का श्रेय पश्चिम बंगाल में नमामि गंगा कार्यक्रम के तहत अब तक स्वीकृत 5,028 करोड़ रुपए की 34 मलजल-अवसंरचना परियोजनाओं को दिया, जिनकी कुल क्षमता 816 एमएलडी (मिलियन लिटर प्रति दिन) है। नमामि गंगे ने कहा कि बुनियादी ढांचे का निर्माण हुगली क्षेत्र के आसपास केंद्रित है।

काँकरोच जनता पार्टी के 'एक्स' हैंडल पर रोक, नया अकाउंट शुरू किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले समाह अस्तित्व में आई और सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर के साथ खबरों में छा गई 'काँकरोच जनता पार्टी' के 'एक्स' अकाउंट पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी गई। हालांकि इस पर रोक के कुछ ही दिनों बाद 'काँकरोच इज बैक' नाम से एक और हैंडल बना दिया गया। इसके संस्थापक अभिजीत दीपके ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "इस बात की उम्मीद पहले से थी क्योंकि कल से हमारे अकाउंट को हैक करने की कोशिशें चल रही थीं। लेकिन सरकार का दाव उलटा पड़ गया है।" 'काँकरोच इज बैक' एक्स हैंडल शुरू होने के करीब एक घंटे से कुछ देर बाद अपराह्न 3.40 बजे इसके फॉलोअर की संख्या 16,800 थी। दीपके के अनुसार काँकरोच जनता पार्टी के 'एक्स' पर 2,01,000 फॉलोअर थे। यह पार्टी भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की इस टिप्पणी के बाद अस्तित्व में आई जिसमें उन्होंने वरिष्ठता की मांग कर रहे एक वकील से नाराजगी जताते हुए 'परजीवी' और 'काँकरोच' जैसे शब्दों का



इस्तेमाल किया। प्रधान न्यायाधीश ने बाद में स्पष्टीकरण दिया था कि उनके बयान का मतलब अर्थ निकालना नहीं है और उनके बयान विशेष रूप से उन लोगों पर केंद्रित थे जो 'फर्जी डिग्रियों' के माध्यम से वकालत के पेशे में प्रवेश करते हैं। प्रधान न्यायाधीश की पहली टिप्पणी 15 मई को आई थी और एक दिन बाद 'काँकरोच जनता पार्टी' सामने आई। यह तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसे नेताओं, कार्यकर्ताओं, कलाकारों और बड़ी संख्या में युवाओं का समर्थन मिलने लगा। बृहस्पतिवार को इसका 'एक्स' अकाउंट भारत में बंद हो गया, वहीं इसका इंस्टाग्राम पेज करीब 1.43 करोड़ फॉलोअर के साथ सक्रिय है और फॉलोअर की संख्या समय के साथ बढ़ती जा रही है।

राष्ट्रीय डॉपिंग रोधी कानून में होगा संशोधन, मंत्रालय ने 'सप्लायर्स' को पांच साल की जेल का सुझाव रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी और वितरण को अपराध की श्रेणी में लाने के लिए राष्ट्रीय डॉपिंग रोधी कानून में फिर बदलाव किया जायेगा और इसके तहत 'सप्लायर्स' को पांच साल तक की जेल भी हो सकती है। इसके अलावा खिलाड़ियों को जान बूझकर प्रतिबंधित पदार्थों को खाने के लिए प्रेरित करने को भी नई बख्शा जायेगी। जनता से प्रतिक्रिया के लिए ये संशोधन खेल मंत्रालय की वेबसाइट पर डाले गए हैं और सुझाव देने की आखिरी तारीख 18 जून है। खेलमंत्री नमसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को

कहा कि यह संशोधित विधेयक सुझावों पर गौर करने के बाद बिना किसी देरी के संसद के अगले सत्र में लाया जायेगा। संशोधन के अनुसार, "खिलाड़ी को डॉपिंग के उद्देश्य से या उसके संबंध में कोई प्रतिबंधित पदार्थ देता है तो उसे पांच साल तक कारावास या दो लाख रुपए तक जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।" मांडविया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वर्तमान में डॉपिंग उल्लंघन में खिलाड़ियों को सजा, अयोग्य करार देना या पदक वापस लेने तक ही सीमित है लेकिन अब प्रतिबंधित पदार्थों की संगठित आपूर्ति को अपराध घोषित करना जरूरी है। उन्होंने कहा "डॉपिंग अब फिट खेलों से जुड़ा एक कॉन्सेप्ट नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों का शोषण करने वाला एक संगठित

इकोसिस्टम बन चुका है। सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों की सुरक्षा करना और डॉपिंग से लाभ कमाने वाले आपराधिक नेटवर्क को समाप्त करना है।" मांडविया ने कहा, "हम डॉपिंग करने वालों को सजा देते हैं लेकिन प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति करने वाले को भी निशाना बनाया जाना चाहिए। वह कोच हो, मैनेजर, खिलाड़ी या ऐसा कोई भी जिसकी खिलाड़ी तक सीधे पहुंच है। अगर ये संशोधन हो जाता है तो इस आपूर्ति शृंखला का हिस्सा पाए जाने वाले सभी अपराधी की श्रेणी में आयेगी।" विधेयक डॉपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की वैश्विक डॉपिंग रोधी खुफिया जांच नेटवर्क की दिल्ली में हुई अंतिम फॉरेंसिस में डॉपिंग को अपराध घोषित करने पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

मणिपुर में यूएनएलएफ (पी) के चार उग्रवादी गिरफ्तार, 60 से अधिक हथियार बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (यूएनएलएफ) के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनके पास से असाइल राइफल और आरपीजी लॉन्चर सहित 60 से अधिक हथियार बरामद किए।

पुलिस अधीक्षक शिवकांत सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिस को बुधवार को खुफिया सूचना मिली थी कि सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों को बिक्री के लिए लामदेग क्षेत्र में लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर मणिपुर पुलिस की विशेष टीम ने लामदेग स्थित यूएनएलएफ (पी) के एक शिबिर की घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया, जिस दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। सिंह ने बताया, "अभियान के दौरान एके मूखला की राइफल, एम-मूखला की राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद सहित 29 हथियार बरामद किए गए।" अभियान के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के सहयोगियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। बाद में संगठन के दो अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।



झारखंड: रांची में 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड की डीजीपी तदशा मिश्रा की उपस्थिति में बृहस्पतिवार को यहां पुलिस के समक्ष कुल 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया और इन नक्सलियों का पूर्ण समर्थन के साथ पुनर्वास किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को आत्मसमर्पण करने वाले 27 माओवादियों का पुनर्वास किया जाएगा। सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह ने कहा, जिन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया है, हम उन लोगों से अपील करते हैं कि वे हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में आ जाएं।

विभिन्न मामलों में वांछित 27 माओवादियों ने 'आंतरिक नवजीवन' के तहत पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। 2026 में कुल 22 माओवादी मारे गए, 44 गिरफ्तार किए गए और 29 ने आत्मसमर्पण किया। हम शेष बचे कुछ माओवादियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हैं। मिश्रा ने कहा कि राज्य में उग्रवाद को खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को आत्मसमर्पण करने वाले 27 माओवादियों का पुनर्वास किया जाएगा। सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह ने कहा, जिन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया है, हम उन लोगों से अपील करते हैं कि वे हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में आ जाएं।

पश्चिम बंगाल के सभी मद्रसों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य, सरकार का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी मद्रसों में प्रार्थना सभा के दौरान 'वंदे मातरम्' का गायन तत्काल प्रभाव से अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है। मद्रसा शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह निर्देश सरकार के अनुसूची मद्रसों, सरकारी सहायता प्राप्त मद्रसों, अनुमोदित शिशु शिक्षा केंद्रों, माध्यमिक शिक्षा केंद्रों तथा अल्पसंख्यक मामलों एवं मद्रसा

शिक्षा विभाग के तहत आने वाले मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मद्रसों पर भी लागू होगा। अधिसूचना में कहा गया है, "कक्षाओं की शुरुआत से पहले प्रार्थना सभा के दौरान 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य किया जाता है।" विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निर्णय सभी संस्थानों में प्राथमिक श्रेणी की प्रक्रियाओं में 'एककमता' लाने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने कहा, "यह आदेश सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद जारी किया गया है और इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना है।" यह अधिसूचना सभी

जिलाधिकारियों, जिला स्कूल निरीक्षकों, पश्चिम बंगाल मद्रसा शिक्षा बोर्ड तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को आदेश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। गौरतलब है कि पिछले समाह राज्य सरकार ने सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में भी सुबह की प्रार्थना सभा में 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य करने का निर्देश दिया था। इस कदम को लेकर निदेश में कहा गया है कि प्रत्येक छात्र को विद्यालय में दिन की शुरुआत में राष्ट्रीय गायन में भाग लेना होगा और संस्थान प्रमुखों को इसका सख्ती से पालन करने को कहा गया है।

नियम के तहत बंगाल में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैटियों को बीएसएफ को सौंपा जाएगा : शुभेंदु



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैटियों को अदालतों में पेश करने के बजाय बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा। यह नियम एक दिन पहले लागू हुआ है। शुभेंदु ने हावड़ा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में प्रशासनिक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि इस संबंध में पुलिस आयुक्त और रेलवे सुरक्षा बल

(आरपीएफ) को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, कल से नया नियम लागू हो गया है, जिसके तहत घुसपैटियों को अदालतों में नहीं भेजा जाएगा, बल्कि बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा। बुधवार को मुख्यमंत्री ने एक ऐसी व्यवस्था लागू करने की घोषणा की जिसके तहत राज्य पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए घुसपैटियों को निर्वान करने के लिए सीमा सुरक्षा बल को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने इसे व्यापक पता लगाओ, हटाओ और निर्यात कर दो का हिस्सा बताया। मुख्यमंत्री ने उस अधिनियम का नाम नहीं बताया जिसके दायरे में बंगाल की नव निर्वाचित भाजपा सरकार ने घुसपैटियों पर मुकदमा चलाए के लिए यह नीतिगत बदलाव किया है। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारी पिछले वर्ष अप्रैल में संसद द्वारा पारित आजादन और विदेशी अधिनियम, 2025 का जिक्र कर रहे थे।

अभिषेक बनर्जी को 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से राहत

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी को पिछले महीने एक जनसभा में दिए गए उनके बयानों को लेकर दर्ज प्राथमिकी में 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। न्यायालय ने यह भी सवाल उठाया कि क्या किसी सांसद के लिए इस तरह के अनुचित बयान देना सही है।

न्यायमूर्ति सोमनाथ भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा पेश होने के लिए भेजे गए नोटिस का अनुपालन करने का निर्देश दिया। अदालत ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि यदि याचिकाकर्ता जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं करता है, तो एजेंसी को इस न्यायालय में आने की स्वतंत्रता होगी।

वरुण टीम के लिए योगदान देने के लिए दर्द के बावजूद खेल रहे हैं : शेन वॉटसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच शेन वॉटसन ने भारत के 'मिस्ट्री' स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की तारीफ की जो अपने बाएं पैर में हेयरलाइन फ्रेंचर होने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार खेल रहे हैं। वॉटसन ने कहा कि चक्रवर्ती आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए केकेआर की मुश्किल योगदान देने के लिए बेताब हैं। चक्रवर्ती को आठ मई को दिल्ली



कैपिटलस के खिलाफ केकेआर के मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय घोट लगी थी। इस कारण वह 13 मई को रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर के खिलाफ अगला मैच नहीं खेल पाए थे जिसके बाद मुख्य कोच अभिषेक नायर ने उनके फ्रेंचर की पुष्टि की थी। लेकिन आरसीबी से हार के बाद केकेआर को बाकी मैच जीतने की जरूरत थी इसलिए चक्रवर्ती पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगातार मैचों में खेलने के लिए वापस आ गए। वॉटसन ने बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस पर मिली चार विकेट की जीत के बाद कहा, "मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि यह इस समय रिहैब के किस दौर में है। मुझे बस इतना पता है कि यह इस समय थोड़े दर्द के साथ खेल रहे हैं, जिससे पता चलता है कि वह कितने बहादुर हैं, वह केकेआर के लिए योगदान देने के लिए कितने आतुर हैं और वह अभी भी शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं।" मार्च में टी20 विश्व कप जीतने के बाद से भारत की टी20 वापस आ गए।

वॉटसन ने बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस पर मिली चार विकेट की जीत के बाद कहा, "मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि यह इस समय रिहैब के किस दौर में है। मुझे बस इतना पता है कि यह इस समय थोड़े दर्द के साथ खेल रहे हैं, जिससे पता चलता है कि वह कितने बहादुर हैं, वह केकेआर के लिए योगदान देने के लिए कितने आतुर हैं और वह अभी भी शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं।" मार्च में टी20 विश्व कप जीतने के बाद से भारत की टी20 वापस आ गए।

एआई कोचिंग प्लेटफॉर्म काबुनी से जुड़े डिविलियर्स

नई दिल्ली/भाषा। एआई संचालित खेल तकनीक प्लेटफॉर्म काबुनी ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर कप्तान एबी डिविलियर्स को बृहस्पतिवार को 'सुपर कोच' नियुक्त किया। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हफनमनोला शेन वॉटसन पहले ही इसके सुपर कोच बने जा चुके हैं। काबुनी ने एक बयान में कहा, "यह सहयोग काबुनी की अत्याधुनिक तकनीक और एबी डिविलियर्स की क्रिकेट की गहरी समझ को एक साथ लाता है, जिससे उभरते हुए क्रिकेटर्स के लिए डेटा-आधारित जानकारी और वार्षिक दुनिया के अनुभव का एक मजबूत मेल तैयार होता है।" भारत में 12 से 16 वर्ष के प्रसंगकों के पास जून में होने वाले नए टूर्नामेंट के जरिये काबुनी तकनीक का इस्तेमाल करके डिविलियर्स की टीम की ओर से खेलने का मौका होगा। काबुनी का प्लेटफॉर्म पारंपरिक नेट प्रैक्टिस को बदलने के लिए तैयार किया गया है। यह खिलाड़ियों की हलचल और गेंद की गति को असल समय में पकड़ता है और इसे आसान, काम आने वाले फीडबैक में बदल देता है। अपने अनोखे एक प्रतिशत सुधार के तरीके के साथ यह रिस्टम छोटे और तुरंत किए जाने वाले सुधारों पर ध्यान देता है, जिनसे समय के साथ प्रदर्शन में काफी सुधार होता है।



वॉटसन ने कहा कि चक्रवर्ती आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए केकेआर की मुश्किल योगदान देने के लिए बेताब हैं। चक्रवर्ती को आठ मई को दिल्ली

सुविचार

दुनिया का सबसे खूबसूरत पौधा 'विश्वास' का होता है, जो जमीन पर नहीं, दिलों में उगता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मोदी की टॉफी से इनका मुंह कड़वा क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की अपनी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को टॉफी का एक पैकेट क्या भेंट कर दिया, भारत में कुछ लोगों के मुंह में कड़वाहट घुल गई। यह कड़वाहट उनके शब्दों के जरिए बाहर निकल रही है। उनकी शिकायत है कि 'प्रधानमंत्री ने टॉफी के उस ब्रांड का प्रचार क्यों कर दिया, क्योंकि उनका काम किसी कंपनी को बढ़ावा देना नहीं है?' एक तरफ यह शिकायत की जाती है कि केंद्र सरकार भारतीय उद्योग-धंधों की फिक्र नहीं करती; जब प्रधानमंत्री सड़कवाणा के तहत किसी भारतीय ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करते हैं तो यहां कुछ लोग हंगामा करने लगते हैं! ऐसा लगता है कि उन्होंने हर परिस्थिति में शिकायत करने और असंतुष्ट रहने की कोई गुप्त प्रतिज्ञा कर रखी है। भारत में दुर्भाग्य से एक ऐसी विचारधारा गहराई तक जड़ जमा चुकी है, जो हमेशा उद्योग-धंधों का विरोध करने में ही बड़बुन महसूस करती है। वह बेरोजगारी का मुद्दा तो उठाती है, लेकिन इसका निवारण कैसे हो, इसके लिए उसके पास कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। अगर कोई व्यक्ति अपनी पूंजी, परिश्रम और प्रतिभा से उद्योग लगाता है तो उसकी नजरों में वह सबसे बड़ा शोषक होता है। उसे कोसना, आड़े हाथों लेना, हर समस्या के लिए उसे ही जिम्मेदार ठहरा देना... ये उस विचारधारा के मूल तत्व हैं। जब ऐसी सोच हावी रहेगी तो रोजगार के अवसर कैसे पैदा होंगे? क्या गरीबी कोई उपलब्धि है, जिस पर हमें गर्व करना चाहिए? गरीबी अपने साथ कई समस्याएँ लाती है। नेताओं को इसमें वोटबैंक ढूँढ़ने के बजाय लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री के कई कार्यों में से एक कार्य यह भी है कि वे देश के उद्योग-धंधों को बढ़ावा दें। इसके अनेक तरीके हो सकते हैं। जब प्रधानमंत्री खादी के वस्त्र पहनकर लोगों से खादी खरीदने की अपील करते हैं तो इसका फायदा लाखों परिवारों को मिलता है। जब प्रधानमंत्री लक्ष्मीपति में समुद्र तट पर कुछ कदम चलते हैं तो वहां पर्यटन की नई लहर पैदा हो जाती है। जब प्रधानमंत्री केदारनाथ धाम जाकर एक गुफा में ध्यान लगाते हैं तो आध्यात्मिक चिंतन से जुड़ी नई व्यवस्था आकार ले लेती है। कुछ लोग इसे समय की बर्बादी, दिखावेबाजी और पब्लिसिटी स्टंट कहकर अपनी भड़ास निकाल सकते हैं, लेकिन यह न भूलें कि इन गतिविधियों के केंद्र में देश का आम नागरिक है। अगर प्रधानमंत्री से प्रेरित होकर एक लाख लोग भी किसी चीज को खरीदेंगे तो उस धन से हजारों परिवारों को सहाय मिलेगा। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक दुकान से झालमुड़ी खरीदी थी। उसके बाद कुछ लोग सोशल मीडिया पर यह कहते नजर आए थे, 'प्रधानमंत्री का यह काम होता है क्या? उन्हें लोगों को रोजगार देने के लिए काम करना चाहिए?' उस दिन से लेकर आज तक झालमुड़ी खूब चर्चा में है। लोग झालमुड़ी खा रहे हैं, खिला रहे हैं। विदेशी पर्यटक भी इसका स्वाद चख रहे हैं। क्या इससे झालमुड़ी बेचने वाले हजारों लोगों की कमाई नहीं बढ़ी? प्रधानमंत्री भारत के खानपान को पहचान दिला रहे हैं। क्या यह आनंद का विषय नहीं है? पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की कोशिशों से देश में एक कंपनी शुरू हुई थी, जिसकी घड़ियां बहुत मशहूर थीं। बाद में सरकारों ने उसकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और वह भारी घाटे में चली गई। उसका संचालन अवरुद्ध हुआ और वह वापसी नहीं कर पाई। अगर पिछली सरकारों के प्रधानमंत्री और सभी मंत्री उस कंपनी की घड़ियों का प्रचार करते तो आज वह अंतरराष्ट्रीय ब्रांड होती। उससे देश को हर साल लाखों डॉलर मिलते। स्वदेशी उत्पाद हमारी अर्थव्यवस्था के प्राण होते हैं। उनकी स्थिति मजबूत बनाएं। स्वदेशी से ही देश की उन्नति होगी। इसमें राजनीतिक मतभेदों को बाधा न बनने दें।

ट्वीटर टॉक

हमारी मातृभूमि आध्यात्मिक साधना और पूजा के साथ-साथ साहस, शक्ति और सबकी भलाई की पवित्र भूमि रही है। महान विरासत और प्राचीन संस्कृति से समृद्ध यह पवित्र धरती हमेशा सभी को खुशियों और समृद्धि से भर देयही हमारी दिली इच्छा है।

-नरेंद्र मोदी

लाल आतंक का अंत, विकास के एक नए युग की शुरुआत! सुरक्षा बलों के लगातार हमलों और मोदी सरकार की कोशिशों ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंका है। अब, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी सुविधाएँ बरतकर के दूर-दूरवाक के इलाकों तक भी पहुंच रही हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अपनी पत्नी उषा के साथ, श्री जगनमोहन रंगनाथरवामी के मंदिर के रेनोवेशन और बड़े अभिषेक समारोह में शामिल हुआ, जिसमें श्री थू-नीला-रंगनायकी भी थे, जो चामराजनगर जिले के कोल्लेगल तालुक के मध्यरंगा इलाके के श्रीवरपुरम में हो रहा था।

-डीके शिवकुमार

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान का दीपक

सर्वज्ञ राधाकृष्णन एक बार विश्वविद्यालय में कक्षा ले रहे थे। एक छात्र ने साहस करके पूछा, 'सर, दर्शन पढ़ने से जीवन में क्या बदलेगा? पेट तो इससे नहीं भरता।' कक्षा में सन्नटा छा गया। राधाकृष्णन कुछ क्षण मौन रहे, फिर बोले, 'तुम सही कह रहे हो। ज्ञान पेट नहीं भरता।' छात्र के चेहरे पर हल्की मुस्कान आई। तभी वे आगे बोले, 'पर याद रखो, पेट भरने के लिए काम चाहिए, और सही काम चुनने के लिए विवेक। दर्शन वही विवेक देता है।' फिर उन्होंने मेज पर रखी दीपक की लौ की ओर संकेत किया और कहा, 'दीपक भोजन नहीं बनाता, पर बिना उसके रसोई अंधेरे में रहती है। ज्ञान दीपक है। यह जीवन का बोझ नहीं उठाता, पर दिशा अवश्य देता है। छात्र की आंखें झुक गईं। उस दिन उसने समझा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजी नहीं, बल्कि सही रास्ता चुनने की क्षमता देना है। जिसके भीतर विवेक का प्रकाश जलता है, वह साधारण परिस्थितियों में भी असाधारण जीवन गढ़ लेता है।



सामयिक

नौतपा और भारतीय जीवन दर्शन

महेंद्र तिवारी

भारतीय उपमहाद्वीप की जलवायु विश्व की सबसे विविध और जटिल जलवायु प्रणालियों में गिनी जाती है। यहाँ ऋतुओं का परिवर्तन केवल मौसम का बदलाव नहीं होता, बल्कि यह कृषि, अर्थव्यवस्था, समाज और मानव जीवन की गति को भी निर्धारित करता है। ग्रीष्म ऋतु के अंतिम चरण में उत्तर और मध्य भारत जिस भीमगर्मी का सामना करते हैं, उसे लोक परंपरा में नौतपा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब सूर्य की तपिश अपने चरम पर पहुँच जाती है और धरती का बड़ा भाग भूट्टी की तरह तपने लगता है। वर्ष 2026 में नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहने वाला है। इन 9 दिनों को भारतीय मौसम चक्र का सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर माना जाता है, क्योंकि इस समय तापमान कई क्षेत्रों में 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है और वातावरण में ऐसी गर्मी भर जाती है जो सामान्य जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर देती है।

नौतपा केवल एक लोक मान्यता नहीं है, बल्कि इसके पीछे स्पष्ट वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण मौजूद हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है और मई के अंतिम सप्ताह तक सूर्य की स्थिति कर्क रेखा के समीप पहुँच जाती है। कर्क रेखा भारत के मध्य भाग से होकर गुजरती है, इसलिए इस समय सूर्य की किरणें भारतीय भूभाग पर लगभग सीधी पड़ती हैं। जब सूर्य की किरणें सीधे धरती पर गिरती हैं तो उनकी ऊर्जा कम क्षेत्र में केंद्रित हो जाती है और तापमान तेजी से बढ़ता है। इसके विपरीत तिरछी किरणें बड़े क्षेत्र में फैल जाती हैं, जिससे गर्मी की तीव्रता कम हो जाती है। यही कारण है कि मई और जून के बीच उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है। भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2026 के लिए कई राज्यों में सामान्य से अधिक गर्मी और लू की संभावना व्यक्त की है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुँचने की आशंका जताई गई है। कुछ मरुस्थलीय इलाकों में यह आंकड़ा 48 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है।

नौतपा के दिनों में केवल दिन ही गर्म नहीं होते, बल्कि रातों भी असहनीय हो जाती हैं। मई और जून के इस दौर में दिन लगभग 13 से 14 घंटे लंबे हो जाते हैं। इतने लंबे समय तक सूर्य की



किरणें लगातार धरती को गर्म करती रहती हैं। मिट्टी, चट्टानें, सड़कें और कंक्रीट की इमारतें दिनभर ऊष्मा को अपने भीतर सोखती रहती हैं। सूर्यस्त के बाद यही ऊष्मा धीरे धीरे वातावरण में वापस निकलती है। चूँकि रातें छोटी होती हैं, इसलिए धरती को ठंडा होने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप अगले दिन तापमान और अधिक बढ़ जाता है। यही संचयी प्रक्रिया नौतपा के दूसरे और तीसरे दिन के बाद गर्मी को और अधिक खतरनाक बना देती है। इस समय एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवाएँ धीरे धीरे भारतीय भूभाग की ओर बढ़ने लगती हैं। जब यह नमी अत्यधिक गर्म मैदानी क्षेत्रों में पहुँचती है, तब हवा में आर्द्रता बढ़ जाती है। इसके कारण शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। सामान्यतः पसीने का वाष्पीकरण शरीर को ठंडा करता है, लेकिन नमी बढ़ने पर यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है। परिणामस्वरूप व्यक्ति को वास्तविक तापमान से कई अधिक गर्मी महसूस होती है। कई बार 45 डिग्री सेल्सियस का तापमान शरीर को 50 से 55 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस होता है। यही कारण है कि उमस भरी गर्मी शुष्क गर्मी से अधिक खतरनाक मानी जाती है।

मानव शरीर सामान्य परिस्थितियों में अपना आंतरिक तापमान लगभग 37 डिग्री सेल्सियस बना रहता है। जब बाहरी तापमान अत्यधिक बढ़ जाता है, तब शरीर स्वयं को ठंडा रखने के लिए अधिक मात्रा में पसीना निकालता है। यदि शरीर को पर्याप्त पानी और आवश्यक लवण न मिलें, तो

संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। तरबूज, खरबूजा, खीरा और ककड़ी जैसे फल शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं। इसके विपरीत अत्यधिक मसालेदार, तला हुआ और भारी भोजन शरीर के तापमान को और बढ़ा सकता है, इसलिए ऐसे भोजन से बचना चाहिए।

नौतपा का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान नहीं पड़ता। बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएँ सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं। बच्चों का शरीर अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता और बुजुर्गों की शारीरिक क्षमता उम्र के साथ कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्हें जल्दी लू लग सकती है। परिवारों को चाहिए कि वे इन सदस्यों का विशेष ध्यान रखें और पानी की कमी के किसी भी संकेत को नजरअंदाज न करें। यह समय पशु पक्षियों के लिए भी अत्यंत कठिन होता है। तालाब और छोटे जलस्रोत सूखने लगते हैं। पक्षियों और आवाज पशुओं को पानी के लिए भटकना पड़ता है। यदि लोग अपने घरों की छतों, बालकनियों और आँगनों में मिट्टी के बर्तनों में पानी रखें, तो हजारों जीवों को राहत मिल सकती है। यह केवल दया नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है।

हालाँकि नौतपा अत्यंत कष्टदायक होता है, फिर भी भारतीय मानसून के लिए इसका बहुत बड़ा महत्व है। जब उत्तर भारत की धरती अत्यधिक गर्म हो जाती है, तब वहाँ की हवा गर्म होकर ऊपर उठती है। इससे धरातल पर निम्न वायुदाब का क्षेत्र बनता है। यही निम्न दबाव दक्षिण में स्थित हिंद महासागर की ठंडी और नमी से भरी हवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। यही हवाएँ आगे चलकर मानसून बनती हैं। मौसम विज्ञान के अनुसार यदि नौतपा के दौरान अच्छी गर्मी पड़े, तो मानसून के मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि इस समय लगातार वर्षा हो जाए और पर्याप्त गर्मी न पड़े, तो मानसून कमजोर हो सकता है। इस प्रकार नौतपा केवल गर्मी का एक कठिन दौर नहीं है, बल्कि यह भारतीय प्रकृति के विशाल संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह वही तपिश है जो आने वाली वर्षा की नींव रखती है। जून के पहले सप्ताह के बाद जब मानसून केरल के तट पर पहुँचता है और धीरे धीरे पूरे देश में फैलता है, तब तपिश धरती को राहत मिलती है। पहली बारिश की बूँदें केवल तापमान नहीं घटाती, बल्कि करोड़ों लोगों के मन में नई आशा और जीवन का संसार भी भरती हैं। तब तक मनुष्य को वैज्ञानिक सावधानियों, अनुशासित जीवन शैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशील व्यवहार के साथ इस कठिन समय को सुरक्षित रूप से पार करना होता है।

नौतपा के दौरान सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक का समय सबसे अधिक संवेदनशील माना जाता है। इस दौरान बिना आवश्यकता घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना अनिवार्य हो, तो सिर और चेहरे को सूती कपड़े से ढकना चाहिए। हल्के रंग के डीले सूती वस्त्र शरीर को अपेक्षाकृत ठंडा रखने में सहायता करते हैं। तेज धूप में लगातार चलने या मेहनत करने से बचना चाहिए। विशेष रूप से मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों और खुले में काम करने वाले लोगों को अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता होती है। खानपान में भी विशेष अनुशासन आवश्यक हो जाता है। केवल प्यास लगने पर पानी पीना पर्याप्त नहीं होता। शरीर को लगातार पानी की आवश्यकता होती है। थोड़े थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। ओआरएस का घोल, नींबू पानी, छाछ, बेल का शरबत, नारियल पानी और कच्चे आम का पत्रा शरीर में पानी और लवणों का

नजरिया

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है नया भारत-विकसित भारत

ललित गर्ग
फ़ोन: 9811051133

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व राजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैठ लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक अपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामलों भी शामिल हैं।

यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधियों का चयन हुआ है जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दोगी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दोगी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में



आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटारा किए बिना ही विधायक अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दोगी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है।

राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुँच से दूर होता जा रहा है? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना

आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारा हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें।

को अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारा हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें। तीसरा, राजनीतिक दलों को दोगी उम्मीदवारों को टिकट देने पर जवाबदेह बनाया जाए। उन्हें सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने के बावजूद दोगी व्यक्तियों को क्यों चुना गया। चौथा, चुनावी खर्च पर कठोर नियंत्रण और पारदर्शिता लाई जाए ताकि सामान्य और योग्य नागरिक भी राजनीति में प्रवेश कर सकें। पांचवां, मतदाता जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए। जब तक मतदाता स्वयं दोगी उम्मीदवारों को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक सुधार अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है। भारत के विकसित पश्चिम की आधाशिला केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि स्वच्छ राजनीति भी है। क्योंकि अपराधमुक्त राजनीति ही विकसित भारत, समृद्ध भारत और विश्वगुरु भारत की स्थापना के पहलू बन सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekrant Parashar. ("Responsible for selection of news under PRB Act). Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वणिक्, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) प्रेषितद्वारा या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में सम्पन्न जानकारी यह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उद्योगों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा वार्ता पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रण एवं प्रकाशक या मालिकों को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रूढ़िवादी ईरानी जनरल वाहिदी की अमेरिका के साथ बातचीत में अहम भूमिका : विशेषज्ञ

दुबई/एपी। पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हो रही बातचीत अघर में लटकी हुई है और माना जा रहा है कि इसके पीछे रूढ़िवादी सैन्य अधिकारी अहमद वाहिदी की भूमिका है, जिन्हें देश और विदेश में कई हमलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान के अर्धसैनिक रियोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी अमेरिका के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए हो रही बातचीत में ईरान के कड़े रुख के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसा माना जाता है कि वह ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजताबा खामेनेई के सीधे संपर्क में रहने वाले चुनिंदा लोगों में शामिल हैं। मोजताबा 28 फरवरी को इजराइली हमलों में कथित तौर

पर घायल होने के बाद से भूमिगत हैं। उक्त हमले में उनके पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई थी। युद्ध शुरू होने के बाद, ईरान में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति किसके पास है, यह अब भी अनिश्चित है। ईरान की धर्म आधारित सत्ता के शीर्ष पदों पर बैठे लोग सत्ता के लिए होड़ कर रहे हैं। वाहिदी को आठ फरवरी के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। ईरानी मीडिया ने बृहस्पतिवार को तेहरान में पाकिस्तान के गृह मंत्री के साथ वाहिदी की मुलाकात के बारे में विरोधाभासी खबरें दीं। पाकिस्तान के गृह मंत्री अमेरिका के साथ वार्ता के संबंध में एक संदेश लेकर गए थे और उन्होंने अन्य शीर्ष ईरानी अधिकारियों से भी मुलाकात की थी।

पाकिस्तान के गृहमंत्री ने की ईरानी विदेश मंत्री से भेंट, अमेरिका-ईरान वार्ता पर चर्चा की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बृहस्पतिवार को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। यह भेंटवार्ता उन खबरों के बीच हुई है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ईरान की यात्रा पर जा सकते हैं। नकवी एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी यात्रा पर बुधवार को तेहरान पहुंचे। युद्ध में उलझे अमेरिका और ईरान के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से उनकी यह यात्रा हो रही है। पाकिस्तान ने दोनों संघर्षरत देशों के बीच एक समझौता कराने और क्षेत्र में युद्ध समाप्त करने के प्रयासों को तेज कर दिया है। ईरान की सरकारी समाचार

ट्रंप और पुतिन की चीन यात्रा, दोनों नेताओं ने बीजिंग के साथ अपने अलग-अलग संबंधों को प्रदर्शित किया

बीजिंग/एपी। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप और रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल में हुई शिखर बैठकें काफी हद तक एक जैसी दिखीं, जिनमें तियानमेन चौराहे पर औपचारिक रूप से हाथ मिलाना, गुलदस्ते लहराते बच्चों द्वारा उत्साहपूर्ण अभिवादन करना और सैन्य टुकड़ियों का मार्च शामिल था। इन यात्राओं से भी यह भी सामने आया कि कैसे अमेरिका और रूस के साथ चीन के रिश्ते अलग-अलग हैं। ट्रंप की यात्रा के दौरान, चीन ने अमेरिका के साथ संबंधों को स्थिर करने की कोशिश की, जबकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा ने रूस 'ट्रंप' के बीच रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने का काम किया। शी ने ट्रंप की यात्रा के दौरान औपचारिक आतिथ्य सत्कार पर जोर दिया, जिसमें झोंगनानहाई का दौरा भी शामिल था। यह पूर्व शाही उद्यान है

लेकिन अब चीन सरकार का मुख्यालय है। 'ग्रेटर चाइना प्रैक्टिस फोर द एशिया ग्रुप' से संबद्ध जार्ज वेन ने कहा, शी जानते हैं कि ट्रंप के लिए यही मायने रखता है। वीआईपी जैसा व्यवहार किया जाना, कैमरों के सामने सम्मान पाना। वेन ने कहा कि पुतिन के साथ शी ने संबंधों की गहराई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, मंत्री संधि की पुष्टि करना, नए उर्जा समझौतों पर हस्ताक्षर करना और अपनी असीमित साझेदारी पर फिर से जोर देना। अमेरिकी राष्ट्रपति तीन दिन चीन में रहे, जबकि पुतिन ने दो दिवसीय यात्रा की। दोनों ने तियानमेन चौक के पास स्थित 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी के साथ अकेले में बैठकें भी कीं। हालांकि, ट्रंप की यात्रा में कोई सार्वजनिक समझौता-हस्ताक्षर समारोह शामिल नहीं था, पुतिन और शी की भेंटवार्ता में द्विपक्षीय समझौतों

एवं समझौता झापनों पर हस्ताक्षर हुए। ट्रंप ने 'टैपल ऑफ हेवन' का व्यक्तिगत दौरा भी किया और झोंगनानहाई के शाही उद्यानों में सैर की। इसके विपरीत, पुतिन ने शी के साथ अपना अधिकांश समय 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' के अंदर बिताया। पिछले सप्ताह की यात्रा राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की चीन की दूसरी यात्रा थी। पुतिन के लिए चीन की उनकी यह 25वीं यात्रा थी। दोनों शिखर सम्मेलनों के बीच मुख्य अंतर उनके संदेशों में था। ट्रंप के साथ बातचीत में शी ने दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच महीनों के तनाव और व्यापार युद्ध के बाद अपेक्षाकृत स्थिर संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। पुतिन के साथ, शी ने एक दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत और प्रगाढ़ करने की कोशिश की, जो दोनों देशों के लिए रणनीतिक और आर्थिक, दोनों रूप से महत्वपूर्ण है।



'लुटेरी दुल्हन' में पूजा गौर बनीं निडर इंस्पेक्टर

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री पूजा गौर जल्द ही वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इसमें वह सब-इंस्पेक्टर संंध्या यादव के किरदार में दिखेंगी। इस सीरीज की कहानी रहस्य, क्राइम और समाज की सोच के इंद्र-गिर्द घूमती नजर आएगी। सीरीज में पूजा गौर का किरदार एक निडर और मजबूत पुलिस अधिकारी का है, जिसे मध्य प्रदेश में हो रही अजीब और रहस्यमयी घटनाओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। कहानी उन मामलों के इंद्र-गिर्द घूमती है, जहां दुल्हनें शादी के बाद अपने दूल्हों को लूटकर अचानक गायब हो जाती हैं। इन घटनाओं के चलते इलाके में डर का माहौल है। ऐसे में संंध्या यादव इस रहस्य की सच्चाई तक पहुंचने की कोशिश करती नजर आएंगी। अपने किरदार को लेकर बात करते हुए पूजा गौर ने कहा, "मुझे इस कहानी की

सबसे खास बात इसकी भावनात्मक गहराई लगी। संंध्या एक मजबूत पुलिस अफसर हैं, लेकिन वह अंदर से कई भावनात्मक संघर्षों से भी गुजर रही होती है। संंध्या बाहर से निडर और संख्त दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर वह समाज के फैसलों, उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से लड़ रही होती है।" अभिनेत्री ने कहा, "मुझे संंध्या का किरदार इसलिए पसंद आया, क्योंकि वह सिर्फ एक केस सुलझाने की कोशिश नहीं करती, बल्कि वह अपनी पहचान के लिए भी लड़ रही है। समाज अक्सर महिलाओं को सीमित नजरिए से देखता है, लेकिन संंध्या उन सोचों को चुनौती देती है।" पूजा गौर ने बताया, "सीरीज में संंध्या और माया के बीच का रिश्ता कहानी को और ज्यादा दिलचस्प बनाता है। दोनों किरदार कानून के अलग-अलग पक्षों में खड़े हैं, लेकिन दोनों की जिंदगी पर समाज और पितृसत्तात्मक सोच का असर पड़ा है। यही भावनात्मक

टकराव इस कहानी को अलग बनाता है।" पूजा ने कहा, "एक कलाकार के रूप में मेरे लिए ऐसा किरदार निभाना बेहद खास अनुभव रहा। संंध्या महत्वाकांक्षी भी है, भावुक भी है और कई बार जिद्दी भी हो जाती है। इसके साथ ही वह दूसरों की भावनाओं को समझने वाली इंसान भी है। यही अलग-अलग भावनाएं इस किरदार को ज्यादा वास्तविक बनाती हैं।" वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' का निर्देशन रोलन बैरेटो और अंशुका मोहला ने किया है। सीरीज में पूजा गौर के अलावा संधिका, मनमोहन तिवारी और राजीव पांडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सीरीज का ट्रेलर भी हाल ही में सोशल मीडिया पर जारी किया गया। पूजा गौर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, हर गांव दुल्हन के पीछे एक नया झूठ छिपा है, और मैं उस सच के बेहद करीब पहुंच चुकी हूं। 'लुटेरी दुल्हन' 19 मई को हंगामा ओटीटी पर रिलीज होगी।

उत्तर बनाम दक्षिण बहस से थक चुका हूं, भाषा नहीं, कहानी और काम मायने रखता है : बोमन ईरानी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म 'पेड्डी' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंटरस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं - हम सब भारतीय हैं। आईएनएस से बातचीत के दौरान बोमन ईरानी ने बताया, सच कहूँ तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूँ। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे। बोमन ने कहा, दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेगा लेकिन सिनेमा यही रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग



भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही हैं। अपनी अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खूबसूरत देश का ही हिस्सा है। बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', '3 इडियट्स', 'खोसला का घोषला', 'डॉन' और 'पीके' जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'पेड्डी' में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंद्र शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 4 जून को रिलीज होने वाली है।

अकेले रहना कमजोरी नहीं, ताकत है : रिद्धि डोगरा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रिद्धि डोगरा टेलीविजन और ओटीटी की दुनिया का जाना-माना नाम हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने बताया कि अकेले रहना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वह लाल रंग की साड़ी पहने एक कैफे में बैठी नजर आ रही हैं। रिद्धि ने लिखा, जब आप अकेले किसी कैफे में जाकर खाना खाते, अकेले फिल्म देखते या खुद के साथ वक्त बिताने से डरना बंद कर देते हैं, तो दुनिया आपको खतरनाक समझने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आप समाज की बनाई पुरानी सोच से अलग हटकर जीना शुरू कर देते हैं। उन्होंने आगे लिखा, जब आप खुद के साथ खुश रहना सीख जाते हैं, तो आप दूसरों को खुश करने या उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के



दबाव से आजाद हो जाते हैं। तब आप दूसरों को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी नहीं जीते। अभिनेत्री ने बताया कि इस दौरान आपको लोग पसंद तो आते हैं, लेकिन आप उन्हें बांधकर रखने की जिद नहीं करते और जरूरत पड़ने पर उन्हें छोड़ना भी सीख जाते हैं। फिर भी आपके दिल में उनके लिए प्यार कम नहीं होता। उन्होंने लिखा, ज्यादातर लोग इस तरह नहीं सोचते, इसलिए उन्हें

समझ नहीं आता कि आपके साथ कैसे पेश आए। रिद्धि ने पोस्ट के अंत में लिखा, ऐसा नहीं है कि जिंदगी ने आपको अकेलापन नहीं दिया, बल्कि आपने उस अकेलेपन को अपना दोस्त बना लिया। उसके साथ वक्त बिताना और उसे अपनी छोटी-सी खूबसूरत कहानी बना लिया रिद्धि डोगरा की इस पोस्ट को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। लोग कमेंट्स में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। रिद्धि डोगरा कई लोकप्रिय रियलिटी शो में भी हिस्सा ले चुकी हैं। वह अपने तत्कालीन पति राकेश बापट के साथ डॉस रियलिटी शो नच बलिए 6 (2013-14) और स्टंट आधारित शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6 (2015) में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह द 50 में भी दिखाई दी थीं। यह शो कलर्स टीवी और जियोसिनेमा पर प्रसारित हुआ था।



थूथुकुडी जिले के तिरुचेंदूर में भगवान मुरुगन मंदिर में गुरुवार को पूजा लिए इकट्ठा हुए लोग।



एक्टर मोहनलाल एवं एक्टर मीना के साथ कोवि में दृश्यम-3 के सेट पर अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान।

मां बगलामुखी के दरबार में पहुंची अभिनेत्री सेलिना जेटली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सेलिना जेटली इन दिनों अपनी निजी जिंदगी में काफी कठिन दौर से गुजर रही हैं। इस मुश्किल घड़ी से उबरने के लिए अभिनेत्री मां बगलामुखी देवी के दर्शन करने पहुंचीं, जहां उन्होंने अपनी जिंदगी में चल रहे संघर्ष के खलव होने की कामना की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा का वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में सेलिना माता रानी के गर्भगृह के सामने हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं। माता रानी के सामने वह काफी भावुक दिखीं और उनकी आंखें नम थीं। मंदिर की परंपरा के अनुसार, उन्होंने सिर पर पीले रंग की चुनरी ओढ़ रखी थी। वहीं, उनके आसपास मौजूद पुजारी पूरी निष्ठा के साथ मंत्रोच्चारण कर रहे थे। वीडियो पोस्ट पर सेलिना ने अपने दिल का हाल बयां करते हुए लिखा, मां बगलामुखी के गर्भगृह में बैठकर मैंने दिव्य मां के चरणों में प्रार्थना की। मैंने अपने भाई से दोबारा मिलने, बच्चों के साथ फिर से जुड़ने और उस रिश्ते को वापस पाने की गुहार लगाई, जिसे भाग्य को कभी



अलग नहीं करना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, मैं यह पवित्र पूजा उन सभी लोगों के साथ साझा करती हूँ, जो मां बगलामुखी का आशीर्वाद, सुरक्षा, न्याय और अपने प्रियजनों को फिर से पाने की शक्ति चाहते हैं। सेलिना का यह पोस्ट उनके शुभचिंतकों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट सेक्शन में उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि उनकी जिंदगी की सभी परिस्थानियां जल्द ही दूर हो जाएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने यह जानकारी नहीं दी कि वह मां बगलामुखी के किस मंदिर में गईं

थीं। मां बगलामुखी के तीन प्रमुख और सिद्ध मंदिर माने जाते हैं, जहां दूर-दूर से भक्त पूजा और अनुष्ठान के लिए पहुंचते हैं। इनमें मां बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा, श्री बगलामुखी मंदिर बनखड़ी और पीताम्बरा पीठ शामिल हैं। मां बगलामुखी दस महाविद्याओं में से आठवीं महाविद्या मानी जाती हैं। उन्हें 'स्तंभ शक्ति' और शत्रुओं का नाश करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। उनके प्रमुख मंदिर मुख्य रूप से तंत्र साधना, मनोकामना पूर्ति और कोर्ट-कचहरी व राजनीतिक विजय से जुड़ी मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।

सोशल मीडिया पर छाया 'मेलोडी' का खुमार, कृति खरबंदा ने टॉफी वाली पोस्ट से लूट ली महफिल!



मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया पर इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नाम को मिलाकर 'मेलोडी' ट्रेंड छाया हुआ है। इस मजेदार मीम फेस्ट में अब अभिनेत्री कृति खरबंदा भी शामिल हो गई हैं। बुधवार को कृति ने इंस्टाग्राम पर भूरे (ब्राउन) रंग की खूबसूरत ड्रेस में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका रंग बिल्कुल 'मेलोडी' टॉफी से मिल रहा है। अभिनेत्री ने मजा लेते हुए कैप्शन भी कुछ ऐसा डाला कि सभी का ध्यान उनके कैप्शन की ओर खींचा चला गया। कृति लिखती हैं, ये मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है? कृति की पोस्ट सभी को बहुत पसंद आ रही हैं। उनके फैंस कमेंट सेक्शन पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि 'मेलोडी' शब्द

को सोशल मीडिया यूजर्स अक्सर इस्तेमाल करके वैश्विक मंचों पर इन दोनों नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, के बीच हुई हल्की-फुल्की बातचीत को हाईलाइट करते हैं। इस वायरल ट्रेंड को तब रफ्तार मिली, जब इटली के दोरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मशहूर 'मेलोडी' चॉकलेट/टॉफी गिफ्ट की थी। मेलोनी ने इस क्यूट जेस्चर, माता लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया था, जो इंटरनेट पर आते ही छा गया। इस मजेदार ट्रेंड के साथ-साथ यह ऑनलाइन ट्रेंड दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही कूटनीतिक और व्यापारिक साझेदारी को भी प्रदर्शित करता है। अभिनेत्री कृति खरबंदा पिछली बार फिल्म राणा नाइडू-2 में नजर आई थीं। यह एक एक्शन-कॉम ड्रामा फिल्म है। अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, तितेश देशमुख, अभिषेक बघन, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, सोनव्या शर्मा और आकाशदीप साबिर जैसे स्टार्स शामिल हैं।

'गुलक' का पांचवा सीजन पांच जून को सोनी लिव पर प्रसारित होगा

मुंबई/भाषा। लोकप्रिय सीरीज 'गुलक' का पांचवा सीजन पांच जून को सोनी लिव पर प्रसारित होगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने बुधवार को यह घोषणा की। यह सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा निर्मित और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा निर्मित एक पारिवारिक ड्रामा है जो रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित है। यह शृंखला मिश्रा परिवार पिता संतोष, माता शांति और उनके दो बेटों अन्नू एवं अमन के जीवन के छोटे-छोटे एवं सहज पलों को दर्शाती है, जो भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों के जीवन का हिस्सा है। परिवार की पुरानी 'गुलक' द्वारा सुनाई गई इस कहानी को, 2019 में इसकी शुरुआत के बाद से ही इसकी गर्मजोशी, हार्दक और भावनात्मक प्रामाणिकता के कारण दर्शकों के बीच एक वफादार दर्शक वर्ग मिल गया। टीवीएफ के अध्यक्ष विजय कोशी ने कहा कि 'गुलक' हर सीजन के साथ दर्शकों के और करीब आती जा रही है।



मन को नियंत्रण करने वाला एवं पापों को धोने वाला है नवकार महामंत्र : आचार्यश्री पार्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। शहर के गणेशबाग में पंडित दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान साधना में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री पार्वचंद्रजी ने कहा कि दुःख का कारण है 18 पाप। नवकार महामंत्र के पांच पद सारे पाप कर्मों का निवारण करने वाले हैं। पाप का आवरण आत्मा पर चढ़ा हुआ है। पाप के परिणाम से अनभिज्ञ होने के कारण जीव को पाप से लगाव हो जाता है। मेल मेल को पकड़ता है, दुर्गुण दुर्गुण को खींचता है। इसी प्रकार से जो पापों में रत रहता है वह और अधिक से अधिक पाप में पड़ता चला जाता है। यदि दुःख से बचना है तो पाप कार्य से दूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नवकार में गुणों को नमन है, गुणियों को नमन है। गुणों की ओर दृष्टि होने से गुणों के प्रति अनुराग होता है और उन गुणों को पाने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है। उन्होंने कहा कि नवकार मन का नियंत्रण करने वाला एवं पापों को धोने वाला है। नवकार जाप से पाप का निवारण होता है। जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी उसकी सुरक्षा करता है। डॉ. पद्मचंद्रमुनिजी ने उपधान आराधकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्यक्त्व ही सुख हो या दुःख

हर परिस्थिति में समभाव में रहता है। सुख और दुःख, ज्ञानी और अज्ञानी दोनों के पास आते हैं। ज्ञानी निमित्त को दोष नहीं देकर अपने कर्मों को दोष देता है। अज्ञानी अपना स्वयं का दोष नहीं देखता है और दूसरों को दोषी मानता है। इस कारण अज्ञानी प्रतिशोध में भरा रहता है जिससे वह और दुखी होता जाता है जबकि ज्ञानी विपरीत परिस्थिति को अपने स्वयं के कर्मों का फल मानकर समभाव से सहन करता है जिससे उसके चित्त में शांति का वातावरण होता है और वह दुःख में भी सुख की अनुभूति कर लेता है। उन्होंने उपधान का महत्व बताते हुए कहा कि पहला उपधान सम्यक्त्व की साधना है। धर्म को धर्म समझो, पाप को पाप समझो और पुण्य को पुण्य समझो तो अंध विश्वास से ऊपर उठ जाओगे। उन्होंने कहा कि चारित्रिक शुद्धि से भी आवश्यक है श्रद्धा की शुद्धि। चरित्र दूषित हो तो एक भय बिगड़ सकता है, परन्तु सम्यक्त्व अर्थात् श्रद्धा दूषित हो गई तो भय बिगड़ जाता है। जयधुरंधरमुनिजी ने निर्जरा भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म आराधना से कर्मों की निर्जरा होती है। सकाम निर्जरा से ही आत्मा सम्पूर्ण कर्मों से मुक्त होकर अनंत सुख को प्राप्त करती है। जयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने प्रेरक गीतिका

प्रस्तुत की। जयपुरंदरमुनिजी ने 14 नियमों पर विवेचन करते हुए जीवन में मर्यादा का महत्व बताया और आत्मोन्नति के लिए प्रतिदिन अपनी आवश्यकताओं की सीमा तयकर आवश्यक अभिलाषाओं को त्यागने की प्रेरणा दी। प्रातः समग्री निदेशिका सुयशनिधिजी ने अणुपेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद्र चोरडिया ने गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान के 150 आराधक एवं उत्तर साधकों की आराधना के अनुमोदनार्थ हलसूरु संघ के किशनलाल कोठारी, कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के सहमंत्री मीठालाल पटवा, संयोजक शांतिलाल बोहरा एवं वरिष्ठ स्वाध्यायी नवरत्नमल भंसाली, सुरेशचंद्र गुलेच्छा, राजेंद्र चोरडिया, गणेशबाग संघ के पारसमणि रणवाल, जयनगर संघ के अध्यक्ष दीपचंद्र भंसाली, मंत्री पदमचंद्र बोहरा सहित अन्य ने उपस्थित होकर अनुमोदन की। अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष दीपचंद्र भंसाली, मंत्री पदमचंद्र बोहरा सहित अन्य ने उपस्थित होकर अनुमोदन की। अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष दीपचंद्र भंसाली, मंत्री पदमचंद्र बोहरा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता ने आंगुलियों का आभार व्यक्त किया।



बंगलूर के लोगों को 'जेआरएफ' ने उपलब्ध कराए हेल्थ डिस्काउंट कार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। जैन रिलीफ फाउंडेशन (जेआरएफ) ने पैलेस ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में हेल्थ डिस्काउंट कार्ड शिबिर का आयोजन किया। जेआरएफ बंगलूर चैप्टर के संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि सेवा, सहयोग और करुणा की भावना को साकार करते हुए जैन रिलीफ फाउंडेशन कर्नाटक चैप्टर द्वारा अनेक परिवारों को निःशुल्क हेल्थ चेकअप वितरित किए गए। हैदराबाद से आए फाउंडर डॉ. रमण कदारिया ने बताया कि हेल्थ डिस्काउंट कार्ड के 28 राज्यों के 238 शहरों में मान्य है तथा लगभग 10,600 से अधिक चिकित्सा केन्द्रों पर इसका लाभ

प्राप्त किया जा सकता है। इस कार्ड के माध्यम से अस्पताल में भर्ती होने, रोगी विभाग में परामर्श, विभिन्न प्रकार की जांच तथा दवाइयों की खरीद पर विशेष रियायत मिलती है। इसके अंतर्गत चयनित अस्पताल, क्लिनिक, जांच प्रयोगशालाएं एवं मेडिकल स्टोर्स से जुड़े सेवा केन्द्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक देशभर में 4 लाख से अधिक लोग इस योजना से जुड़ चुके हैं। बंगलूर में इस हेल्थ डिस्काउंट कार्ड को बनवाने में व्यावर संघ भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में बीजल कोठारी, रेणु रांका सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित समाजजनों को इस योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की और अधिकाधिक लोगों से इससे जुड़ने का आह्वान किया।



शास्त्र रटने वाला नहीं, जो समय की कीमत पहचान ले, वही सच्चा पंडित : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। शहर के गंगापुर जैन स्थानक में विराजित संतश्री डॉ. समकितमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मानव जीवन के उद्देश्य, समय की कीमत और फिसलती कीमत और हमारी 'बेहोशी' की ज़िदगी विषयक प्रवचन सुनाया। मुनिश्री ने जीवन की सबसे बड़ी पूजा 'समय' की कीमत बताई। उन्होंने कहा, संसार की दृष्टि में पंडित वह हैं जिसने बड़े-बड़े शास्त्र रट लिए हों, लेकिन जैन दर्शन कहता है कि सदा 'पंडित' वह है जो एक 'क्षण' की कीमत को जान ले। इस अनंत ब्रह्मांड में 'मानव भव', 'आर्य देश', 'उत्तम समय' और धर्म करने के 'श्रेष्ठ भाव' इन चारों का एक साथ मिलना करोड़ों

जन्मों के पुण्यों का महासंयोग है। इतना दुर्लभ संयोग पाकर भी यदि इंसान अपनी आत्मा के लिए कुछ 'कमा' कर न जाए, खाली हाथ ही दुनिया से विदा हो जाए, तो उससे बड़ा अज्ञानी इस संसार में कोई नहीं। शहर के कालचक्र का अत्यंत गूढ़ रहस्य समझाते हुए कहा, युगलिक काल (भोगकाल) में मनुष्य के पास बिना मेहनत के अपार सुख और सुविधाएं थीं, लेकिन उन सब भौतिक सुखों के बावजूद वहाँ से 'परम सुख' नहीं पाया जा सकता था। इसके विपरीत, हम जिस 'कर्मभूमि' में जी रहे हैं, यहाँ 'दरद' है, 'संघर्ष' है, 'परेशानियाँ' हैं लेकिन केवल इसी धरती से पुरुषार्थ करके परमात्मत्व पाया जा सकता है, इसलिए जो समय आज हमें मिला है, वही सर्वोत्तम है। ज्ञानार्थिक मनुष्य की मशीनी जीवनशैली पर अत्यंत गहरी व मार्मिक चोट करते हुए मुनिश्री ने

कहा कि हम सब जी तो रहे हैं, मगर जीने की 'वजह' ही भूल गए हैं। हमें न इस जीवन का मूल्य पता है, न हमारी मंजिल का। सुबह से शाम तक बस खाने-पीने, धन कमाने, सोने और मोज-मजे में यह बेशकीमती जिंदगी बर्क की तरह पिघल रही है। उन्होंने कहा कि आज इंसान एक 'बेभावन' और 'अज्ञानता' का जीवन जी रहा है। नेमीचंद दलाल ने आगामी 'जीवन संजीवनी चातुर्मास' प्रवेश की सूचना दी। इस अवसर पर माणकचंद्र गन्ना, अनिल गन्ना, नीलेश बोहरा, रितेश पामेचा, हेमंत मेहता, नगीना गन्ना व अन्य पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। गंगानगर संघ के अध्यक्ष सुनील नंदावत, मंत्री रूपचंद्र लोढा, अमरचंद्र गुंडेवा एवं जसवंत गन्ना आदि ने संतो का स्वागत किया तथा सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।



जीतो बिजनेस नेटवर्क 'वी-प्रेन्योर्स समूह' की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग के अंतर्गत संचालित बिजनेस नेटवर्क वी-प्रेन्योर्स समूह की बैठक जीतो कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य

आकर्षण वक्ता नेहा चौधरी का ज्ञानवर्धक सत्र रहा, जिसमें उन्होंने महिला उद्यमियों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने व्यवसायों का प्रस्तुतिकरण किया। कार्यक्रम के अंत में सर्वाधिक व्यवसाय उत्पन्न करने एवं श्रेष्ठ

तीस-सेकंड प्रस्तुति देने वाले सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बैठक में अनेक रेफरल का आदान-प्रदान हुआ। बैठक में रेफरल हेड मीतू जैन, रेफरल लीड तुषि जी और रेफरल सचिव मिलोनी शाह सहित लेडीज विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी एवं मुख्य सचिव निधि पालरचा उपस्थित थीं।



विनय और विवेक बुद्धि से प्रगति का पथ होता है प्रशस्त : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कंपली। स्थानीय मुनिसुप्रतस्वामी जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में गुरुवार को गुरुपुष्य अमृतसिद्धि योग के विशेष अनुष्ठान में साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि चमत्कारों के भरोसे जीने का प्रयत्न मत कीजिए। अपने सद्गुरु के निर्माण के लिए सदैव सात्विकता, सदाचार, सत्कार्य और साधना पर बल दीजिए। आंतरिक शक्तियों को जगाइए। यह मार्ग ही जीवन में चमत्कारों का द्वार खोलेगा। मानकर बलिये कि ऐसे लोगों के साथ

भगवान, गुरु और धर्म हमेशा रहते हैं। दैनिक शक्तियां भी सदाचारी को ही सहायता करती हैं। शस्त्रों के बल और संपत्ति की शक्ति से बढकर होती है सदाचार और साधना की शक्ति। भारत भूमि के साधक महापुरुषों में इन तथ्यों की जीवंत अनुभूति की जा सकती है। ज्ञानाचार्यश्री ने कहा कि हर मनुष्य को अपने रास्ते खुद तलाशने

होते हैं। बने-बनाए रास्तों पर चलकर कोई ऊंचे शिखरों पर नहीं पहुँचता। जो दूसरों के भरोसे या सहारे चलते हैं, वे इतिहास नहीं बना सकते। स्वयं के भीतरी सत्य और शक्तियों को जगाकर ही कुछ नया किया जा सकता है। बलिदानों की कहानी निराली होती है, पर वह सिर्फ पढ़ने या सुनने के लिए नहीं, कुछ कर गुजरने के लिए होती है। क्रांति हमेशा स्वयं से शुरू करनी पड़ती है। हाथ पर हाथ रखकर जो भाग्य के भरोसे बैठे रहते हैं अथवा सदैव अपने भाग्य को कोसते रहते हैं, वे भाग्यनिर्माता नहीं बन सकते। विनय और विवेक बुद्धि से प्रगति का पथ प्रशस्त होता है। सफलता चाहे भौतिक हो या आध्यात्मिक, यही सिद्धांत काम करता है।

केरल विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित विधायकों को दिलाई शपथ

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष जी. सुधाकरन ने बृहस्पतिवार को नवनिर्वाचित विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई और राज्य की 16वीं विधानसभा के सदस्यों को शपथ देने का नाम लिया था और ऐसे अवसर पर ऐसा करने में उन्हें कुछ भी गलत नहीं लगा।

गई। इस लिहाज से सबसे पहले शपथ कलमसेरी विधानसभा सीट से निर्वाचित हुए इंडियन यूनिनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के विधायक अब्दुल गफूर ने ली। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया साढ़े 12 बजे तक चली। इस क्रम के हिसाब से मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने 105वें स्थान पर व नेता प्रतिपक्ष

पिनराई विजयन ने 133वें स्थान पर शपथ ली। सबसे अंत में वडक्कनचेरी विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) विधायक जेवियर चित्तिलापिल्ली ने शपथ ली। इस दौरान 42 विधायकों ने ईश्वर के नाम के बजाय 'सत्यनिष्ठा से' शपथ ली।

उत्साहवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



बंगलूर के वीबीबी क्रिकेटर्स एसोसिएशन द्वारा महालक्ष्मी लेआउट स्थित रानी अब्बाका खेल मैदान में आयोजित 3 दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा 'एलपीएल सीजन-5' के आखिरी दिन खेल मैदान में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

राजीव गांधी ने भारत को सपने देखना सिखाया: मुख्यमंत्री सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावपीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सतीशन ने उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। फेसबुक पर एक पोस्ट में सतीशन ने कहा कि राजीव गांधी को याद करते समय मन भावुक हो जाता है। सतीशन ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान भारत को आधुनिकता और वैज्ञानिक

प्रगति की दिशा में आगे बढ़ाने में राजीव गांधी के योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा, गांधी ने अपना पूरा जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया और भारत को सपने देखना सिखाया। सतीशन ने यह भी कहा कि राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और उनकी अगली पीढ़ियों ने नफरत की राजनीति का विरोध किया। उन्होंने कहा कि गांधी के कई फैसले प्रेम, मानवता और धर्मनिरपेक्षता की छाप थी। मुख्यमंत्री सतीशन ने नई दिल्ली में राजीव गांधी के स्मारक का जिक्र करते हुए कहा, वीर भीम केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं

बल्कि राष्ट्र के लिए भी उज्ज्वल का स्रोत है। इससे पहले, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय में भी राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री सतीशन, केपीसीसी अध्यक्ष और विद्युत मंत्री सनी जोसेफ और गृह मंत्री रमेश चेन्नियला उपस्थित रहे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान 'लिबरेशन टाइम्स' ऑफ तमिल इंडिया (एलटीटीई) की एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी।

गर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गुरुवार को गर्मी के कारण दिन में स्कार्फ से चेहरा ढके महिलाएं गुजरती हुईं।

यदि हम किसी को साधना के लिए प्रोत्साहित नहीं कर सकते हैं तो हतोत्साहित भी न करें : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। शहर के शिवाजीनगर में आयोजित एक प्रवचन सभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि जो कोई व्यक्ति उम्र के आधार पर किसी को भी साधना के लिए योग्य अथवा अयोग्य घोषित करता है, नादान अथवा बुद्धिमान मानता है, यह उसकी स्वयं की नादान और अज्ञान दशा है। उन्होंने कहा कि जन्म जन्मान्तर के प्रबल पुण्य उदय से साधना की ओर आत्मा अग्रसर होती है। जगद्गुरु शंकराचार्य 9 वर्ष की उम्र में, गुरु गोविंद सिंह के बच्चे छोटी उम्र में, बौद्ध धर्म में दलाई लामा छोटी उम्र में, जैन धर्म के अंदर

एवंतानुनि, सभी धर्म में जितने भी युग पुरुष प्रखर हुए हैं अलौकिक चमत्कार प्रकट करते हुए विश्व में अमर हो गए। सभी अपनी साधना से ही बालक से महान बने हैं। मुनि कमलेशजी ने बताया कि युवावस्था और वृद्धावस्था में साधना के क्षेत्र में आने वाली भी साधना के मार्ग से भटक सकते हैं और बालक उनके सामने आदर्श प्रस्तुत कर सकता है। राष्ट्रसंत ने कहा कि हम पूर्ण ज्ञानी नहीं हैं जो किसी को लेकर उसके भविष्य के बारे में घोषणा कर सकते हैं। तीर्थंकर केवल ज्ञानी ने भी किसी आत्मा को मना नहीं किया। जैन संत ने कहा कि ज्ञान और वैराग्य में परिपक्व होने पर बालक भी भगवान के रूप में परिवर्तित हो सकता है। हम गीली मिट्टी को जैसे ढालना चाहें ढाल सकते हैं।

ओमप्रकाश पोद्दार बने अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जो कि अग्रवालों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष संगठन है। उसने अपनी प्रादेशिक और जिला इकाइयों के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की। बंगलूर के ओमप्रकाश पोद्दार को सम्मेलन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंतकुमार मिशाल व राष्ट्रीय



महामंत्री गोपाल गोयल ने एक पत्र के माध्यम से ओपी पोद्दार की नियुक्ति की जानकारी दी।

केरल के मुख्यमंत्री ने पुनः पूरा नाम लेते हुए विधायकों के रूप में शपथ ली

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को 16वीं राज्य विधानसभा के विधायक के रूप में शपथ एक बार फिर अपना पूरा नाम यदवसेरी दामोदर मेनन सतीशन पढ़ते हुए ली। सोमवार को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में भी उन्होंने अपना पूरा नाम लिया था, जिसके चलते सोशल मीडिया के विभिन्न वर्गों के साथ-साथ कुछ कांग्रेस नेताओं ने भी जाति उपनाम 'मेनन' का उपयोग करने के लिए उनकी आलोचना की। सतीशन ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मेनन उपनाम के इस्तेमाल का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपने पिता का नाम लिया था और ऐसे अवसर पर ऐसा करने में उन्हें कुछ भी गलत नहीं लगा।